सांध्य दैनिक 4PM

मैंने अपने जीवन में एक भी दिन काम नहीं किया। ये सब मनोरंजन था।
-थॉमस ए. एडीसन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 229 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 26 सितम्बर, 2023

सेलिंग में नेहा ठाकुर ने... 7 | वसुंधरा को किनारे लगाना भाजपा... 3 | अस्पताल बंद कर जनता को किया... 2

एलडीए वीसी इंद्रमणि त्रिपाठी की प्रताड़ना से त्रस्त कर्मचारी ने की आत्महत्या

» कर्मचारी की पत्नी का आरोप- पति को बहुत प्रताड़ित करते थे वीसी

» एलडीए वीसी पर खुद करोड़ों की हेराफेरी का आरोप

» इनकम टैक्स विभाग ने सीज की थी परिवार की संपत्तियां

» सीएम के प्रमुख सचिव एसपी गोयल के करीबी होने के कारण नहीं होती है कोई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण से नौकरी से निकाले गए संविदा कर्मी ने मंगलवार सुबह फांसी लगाकर जान दे दी। जानकारी के अनुसार एलडीए में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर संतोष

मृतक संतोष

जायसवाल ने फांसी लगाकर की आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि संतोष को एलडीए वीसी ने काफी बेइज्जत किया था जिसे वह बर्दाश्त न कर सके और आत्महत्या कर ली।

एलडीए वीसी पर सख्त कार्रवाई हो : मालती

संतोष पत्नी मालती जायसवाल ने एलडीए वीसी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इंद्रमणि त्रिपाठी पर हो सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। मालती ने कहा कि एलडीए वीसी ने मेरा घर बर्बाद कर दिया। मृतक संतोष की पत्नी ने यह भी जानकारी दी कि वह बीते 10 दिनों से बहुत टेंशन में चल रहे थे।

मंगलवार सुबह परिवार को फंदे से उनका लटका हुआ शव मिला। संतोष अपने पीछे दो छोटे बच्चे पत्नी और बूढ़ी मां को छोड़ गए है। मामले की जांच की जा रही है।

हालांकि ऐसा माना जा रहा है कि इस मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है क्योंकि एलडीए वीसी पर सीएम आफिस के एक बड़े अधिकारी व प्रमुख सचिव सीएम एसपी गोयल का हाथ है। इस बाबत जब एलडीए वीसी के मोबाइल नंबर से संपर्क किया तो उनका फोन नहीं उठा। एलडीए वीसी इंद्रमणि त्रिपाठी पर कंप्यूटर ऑपरेटर संतोष जायसवाल को प्रताड़ित करने का आरोप लगा है। संतोष की पत्नी मालती जायसवाल का कहना था की कई दिनों से लगातार एलडीए वीसी इंद्रमणि त्रिपाठी उनके पति संतोष जायसवाल को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। मालती जायसवाल का कहना कि एक दिन पहले ही कार्यालय में एलडीए वीसी इंद्रमणि त्रिपाठी ने उनके पति के साथ अभद्रता की थी। परिवारी जनों का कहना है कि एलडीए वीसी की लगातार प्रताड़ना से आहत होकर संतोष जायसवाल ने उठा लिया आत्महत्या जैसा कदम उठाया।

एलडीए वीसी इंद्रमणि

बेनामी संपत्ति को लेकर कोर्ट में चला मुकदमा

एलडीए वीसी के खिलाफ हाईकोर्ट में बेनामी संपत्ति मामले में मुकदमा भी दर्ज है। यणचिका में आयकर विभाग के जिस नोटिस व आदेश को चुनौती दी गई , वह जियामऊ के विक्रमादित्य वार्ड अंतर्गत सृजन विहार कॉलोनी की एक संपत्ति से जुड़ा है। 3,680 वर्ग फुट की यह संपत्ति 23 अप्रैल 2016 को मीरा पांडेय के नाम से 82 लाख रुपये में खरीदी गई थी। आयकर विभाग का आरोप है कि मीरा पांडेय की वर्ष 2015-16 में कुल आय 7.30 लाख रुपये थी और इस संपत्ति पर ढाई मंजिल के आवासीय निर्माण में एक करोड़ पांच लाख रुपये भी खर्च किया गया। एलडीए उपाध्यक्ष इंद्रमणि त्रिपाठी की बेनामी संपत्ति का मामला हाईकोर्ट में पहुंचा था। एलडीए उपाध्यक्ष की सास मीरा पांडेय ने हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में एकयाचिका दाखिल कर बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध अधिनियम (पीबीपीटी एक्ट) में दामाद को जारी आयकर विभाग की नोटिस व संपत्ति के अस्थाई (प्रोविजनल) अटैचमेंट के आदेश को चुनौती दी। न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा व न्यायमूर्ति मनीष कुमार की खंडपीठ में याची मीरा पांडेय की ओर से राज्य सरकार के वर्तमान में मुख्य स्थायी अधिवक्ता अभिनव नारायण त्रिवेदी ने बतौर निजी अधिवक्ता याचिका दाखिल की। इसमें बताया गया कि आयकर विभाग ने मीरा पांडेय द्वारा ली गई संपत्ति का लाभार्थी उनके दामाद इंद्रमणि त्रिपाठी को बताते हुये नोटिस व आदेश जारी किया ।

आशीष मिश्रा को शर्तों के साथ सुप्रीम राहत

» अंतरिम जमानत दी, पर सार्वजनिक समारोह व मीडिया से मिलने पर रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लखीमपुर खीरी मामले के आरोपी आशीष मिश्रा की अंतरिम जमानत की शर्तों में सुप्रीम कोर्ट ने बदलाव किया है। अदालत ने आशीष मिश्रा को दिल्ली में रहने की इजाजत दी है। बीमार मां की देखभाल और बेटी की इलाज कराने के लिए दिल्ली आने की इजाजत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने शर्त लगाई है कि वह विचाराधीन मामले के संबंध में किसी भी सार्वजनिक समारोह में भाग नहीं लेगा, साथ ही उन्हें मीडिया को संबोधित करने की इजाजत भी नहीं दी गई है, अदालत ने स्पष्ट किया कि यूपी में उनकी प्रवेश पर रोक भी जारी रहेगी।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार की तरफ से लाए गए 3 किसान कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों पर गाड़ी चढ़ा दी गई थी। जिसमें कुछ लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा पर किसानों की हत्या का आरोप लगा था। बाद में उनकी गिरफ्तारी हुई थी, वो अभी जमानत पर रिहा हैं।

लखीमपुर कांड के मुख्य आरोपी को सशर्त मिली थी जमानत

लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में अदालत ने आरोपी आशीष मिश्रा को सशर्त अंतरिम जमानत दी थी। आशीष मिश्रा और उनके परिवार को संबंधित मामले में गवाहों से दूर रहने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आशीष मिश्रा या उसके परिवार ने अगर मामले से जुड़े गवाहों को प्रभावित करने का प्रयास किया तो उनके ऊपर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अदालत ने कहा था कि जमानत की शर्तों को अगर किसी भी तरह से तोड़ने की कोशिश हुई तो जमानत रद्द कर दी जाएगी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

» तीन अक्टूबर को होगी बहस, इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद संबंधी याचिका पर सुनवाई के लिए तीन अकटूबर की तारीख तय की है। बता दें कि बीते दिनों इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जन्मभूमि विवाद से संबंधित सभी याचिकाओं को जिला अदालत, मथुरा से अपने पास स्थानांतरित करा लिया था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के इसी आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मई में जन्मभूमि विवाद से जुड़ी सभी याचिकाएं अपने

पास स्थानांतरित कराई थी। हाईकोर्ट ने यह फैसला दिया था, जिसमें मांग की गई थी कि यह मामला राष्ट्रीय महत्व का है, इसलिए हाईकोर्ट में इस मामले पर सुनवाई होनी चाहिए। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद 13.37 एकड़ जमीन पर मालिकाना हक से जुड़ा है। जिसमें से 10.9 एकड़ जमीन श्रीकृष्ण जन्मस्थान की है, वहीं ढाई एकड़ जमीन का मालिकाना हक शाही ईदगाह मस्जिद के पास है।

अस्पताल बंद कर जनता को किया जा रहा परेशान : अखिलेश

» बोले- दोषी को सजा मिले, कानूनी कार्रवाई अलग विषय, मरीजों का ख्याल भी जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने संजय गांधी अस्पताल, मुंशीगंज के मामले में बेबाकी से अपनी बात रखी। कहा कि यदि अस्पताल में किसी बेटी की किसी डॉक्टर की लापरवाही से जान गई है तो इसका मतलब यह नहीं कि अस्पताल को बंद कर दिया जाय। सुल्तानपुर से वापस होते समय मंगरौरा के पास लखनऊ-वाराणसी हाइवे पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहाकि अस्पताल बंद होने से जनता को परेशानी पहुंचाई जा रही है।

सरकार कानून के हिसाब से डॉक्टर पर कार्रवाई करें, वह अलग विषय है लेकिन, अस्पताल चले, दवाई मिले, इलाज समय से हो, जो सुविधा गरीबों को मिलने वाली हो, वो मिले। एक अन्य सवाल में कहा कि अमेठी से गठबंधन चुनाव लड़ेगा। इसके बाद रोड नंबर एक पर पूर्व जिलाध्यक्ष छोटेलाल यादव, मोहम्मद अरशद अहमद, जियाउल हक, तुफैल खान, विमलेश सरोज, अनवार अहमद ने पूर्व मुख्यमंत्री का स्वागत किया। रास्ते में जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने जैनुल हुसैन, आरिफ के साथ स्वागत किया। सपा मुखिया ने जिलाध्यक्ष से संजय गांधी अस्पताल के मामले में जानकारी ली। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सोमवार को सुल्तानपुर से लखनऊ लौटते समय रास्ते में हाईवे पर एक ढाबे पर रुके। वहां उन्होंने चाय पी और मौजूद लोगों से संवाद किया। ढाबे पर मिलीं राजदेई ने बताया कि उनके गांव भिकीपुर (मुसाफिरखाना) में सड़क नहीं है। बाद में सपा ने मुख्यमंत्री को टैग करते हुए एक्स के जरिये सड़क निर्माण कराने का अनुरोध किया।

अखिलेश एमपी में करेंगे चुनाव प्रचार

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 27 व 28 सितंबर को मध्य प्रदेश के चुनावी दौरे पर रहेंगे। वे वहां रीवा के सिरमौर विधानसभा क्षेत्र में जनसभा करेंगे, जबकि खजुराहो में कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियां की जा रही हैं। इसका उद्देश्य जहां विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले अपनी सांगठनिक स्थिति मजबूत करना है, वहीं इंडिया गठबंधन के तहत सीटें लेने का दबाव भी बनेगा। समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश और राजस्थान में इंडिया गठबंधन के तहत सीटें मांग रही है। दोनों ही राज्यों के विधानसभा चुनाव में उसका खाता खुलता रहा है। इसके अलावा सपा छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में भी चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति के सुप्रीमो केसी राव से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के मधुर रिश्ते जगजाहिर हैं। सपा सूत्रों के मुताबिक, अखिलेश यादव 27 सितंबर को रीवा के विधानसभा क्षेत्र सिरमौर में बड़ी जनसभा करेंगे। वहां से पार्टी ने पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी को अपना प्रत्याशी बनाया है। अगले दिन टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना जिले के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन खजुराहो में होगा। इसमें विधानसभा चुनाव की तैयारी बेहतर रणनीति के साथ करने का सपा अध्यक्ष संदेश देंगे।

गांधी से बड़ी कर दी मोदी की तस्वीर : पित्रोदा

» भाजपा ने कहा- गांधी जी के महत्व को आकार से नहीं आंके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने एक यूजर द्वारा दिल्ली के गांधी स्मृति में लगे एक पोस्टर की फोटो को एक्स (पहले ट्विटर) पर शेयर करते हुए लिखा था, महात्मा गांधी जी की तस्वीर का आकार छोटा होते देखकर बहुत दुख हुआ। पीएम मोदी की बड़ी तस्वीर के साथ गांधी जी द्वारा कही बातों को दोहराने का उद्देश्य क्या है? उनके इस ट्वीट का जवाब भाजपा नेता विजय गोयल ने दिया है। कहा कि सैम पित्रोदा आप गांधी की महत्ता को उनकी फोटो के साईज से नापेंगे, आपसे ऐसी उम्मीद नहीं थी।

'गांधी स्मृति' का उपाध्यक्ष होने के नाते गांधी जी के सैंकड़ों फोटो, शहीदी स्थल और मूर्ति देखने के लिए आपको 'गांधी स्मृति' आमंत्रित करता हूं। इन सबमें आपको प्रधानमंत्री मोदी की ही एक फोटो क्यों दिखाई दी, जानकर ताज्जुब होता है। जबकि मोदी 'गांधी स्मृति' के अध्यक्ष भी हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता विजय गोयल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बड़ी तस्वीर के साथ महात्मा गांधी की तस्वीर का उपयोग करने पर सवाल उठाने वाले कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा पर निशाना साधा। विजय गोयल ने कहा कि राष्ट्रपिता के महत्व को उनकी तस्वीर के आकार से नहीं मापा जाना चाहिए।

आर्थिक संकट की ओर जा रहा हरियाणा : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

» बोले- इंडिया गठबंधन में इनेलो के शामिल होने पर एतराज नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक (हरियाणा)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है हरियाणा आर्थिक संकट की ओर जा रहा है। विकास का कोई काम नहीं हो रहा है। सरकार कर्जे पर कर्जा ले रही है। प्रदेश पर साढ़े चार लाख करोड़ रुपये का कर्जा थोप दिया गया है। पूर्व सीएम ने कहा कि इनेलो अपनी खोई हुई राजनीतिक धरती तलाश रही है। यह अधिकार सभी को है। इनेलो अभय चौटाला के दिल्ली में शीर्ष कांग्रेस नेतृत्व से मिलने के सवाल पर पूर्व सीएम ने कहा कि कोई भी किसी से मिल सकता है।

वह इंडिया गठबंधन में शामिल होंगे तो पता लग जाएगा। इनेलो के इंडिया गठबंधन में शामिल होने को लेकर न तो किसी का विरोध किया है न समर्थन। इस बारे में किसी ने कुछ नहीं पूछा है। जबकि कोई पूछेगा तो जवाब दे दिया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान की पीएम व सीएम पर की गई टिप्पणी पर वे तटस्थ नजर आए। उन्होंने यह कह कर किनारा किया, कि इसका जवाब वे दे चुके हैं।

'ऐसा कोई नहीं जिसे भाजपा ने ठगा नहीं'

» श्रीनेत बोलीं- महिला आरक्षण 2039 से पहले लागू होने वाला नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि कानपुर के ठग्गू के लड्डू की तरह भाजपा वह पार्टी है ऐसा कोई सगा नहीं जिसे हमने ठगा नहीं लेकिन अब इनके दिन पूरे हो चुके हैं। वह कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण के मामले में भी कुछ ऐसा ही है। यह 2039 से पहले लागू होने वाला नहीं है। भाजपा गलत बयानी कर रही है। जब जनगणना होगी फिर इस पर कार्य होगा। ऐसे में यह 2039 से पहले लागू होने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा वाकई महिलाओं को आरक्षण देना चाहती है तो इसे 2024 के चुनाव में ही लागू करे।

अदाणी घोटाला जब सामने आता है तो भाजपा कोई न कोई नया शिगूफा छेड़ती है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना जल्द से जल्द होनी चाहिए। सरकार संविधान के प्रावधान के अनुसार महिला आरक्षण बिल को अपनाएं। कांग्रेस ने समर्थन इसलिए किया क्योंकि आधी आबादी की समर्थक है। यह बिल पहले राजीव गांधी लेकर आए थे लेकिन उस समय भाजपा ने विरोध किया था। सुप्रिया ने कहा कि अफसरों की तैनाती में खेल हो रहा है इसलिए भी जनगणना जरूरी है।

भाजपा की महिला सांसदों की चुप्पी सवालों के घेरे में

उन्होंने कहा कि भाजपा की सांसद आखिर लखीमपुर खीरी कांड पर चुप क्यों रहीं? मणिपुर पर चुप रहती हैं। भाजपा की महिला सांसदों की चुप्पी सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार चाहे तो महिला आरक्षण विधेयक तत्काल लागू किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गठबंधन में इंडिया गठबंधन की धुरी कांग्रेस है लेकिन समन्वय हर स्तर पर होगा। समय आएगा तो सीट तय हो जाएगी।

सिंधिया के बयान पर बीजेपी को आपत्ति नहीं थी : दिग्विजय

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मानहानि के मामले में बीजेपी पर ही निशाना साधा है। उन्होंने कहा, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पूरी बीजेपी को आईएसआई का एजेंट बताया था, लेकिन इस पर किसी ने कोई आपत्ति नहीं जताई। उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस और बजरंग दल के कार्यकर्ता आईएसआई के लिए जासूसी करते हुए पकड़े गए हैं और प्रकरण अभी लंबित है।

संघ का कोई पराया नहीं, मुस्लिम भी हमारे : भागवत

» बोले- सनातन धर्म नहीं संस्कृति, इस देश पर सबका अधिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संघ चालक मोहनराव भागवत ने कहा कि मुस्लिम भी हमसे अलग नहीं हैं, वह भी हमारे ही हैं बस उनकी पूजा पद्धति बदल गई है। यह देश उनका भी है वह भी यहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि संघ सम्पूर्ण समाज को संगठित करना चाहता है इसमें संघ का पराया कोई नहीं। जो आज हमारा विरोध करते हैं, वे भी हमारे हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन यह पक्का है, कि उनके विरोध से हमारी क्षति न हो, इतनी चिंता हम जरूर करेंगे। सरस्वती शिशु मंदिर में शाम को दूसरे दौर के संवाद में सेना सहित कुछ अन्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने संवाद किया।

संघ प्रमुख ने कहा कि हिन्दू धर्म की आलोचना करने वाले हिन्दू धर्म को जानते नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कई उदाहरण है जब लोगों ने हिन्दू धर्म को जाना और समझा तो वह भी प्रशंसक हो गए। उन्होंने कहा कि सनातन कोई धर्म नहीं बल्कि संस्कृति है। एक सवाल के जवाब में मोहन भागवत ने माना कि शिक्षा में तीन भाषा नीति लागू होनी चाहिए। एक मातृ भाषा, एक भारतीय भाषा और तीसरी अन्य भाषा हो सकती है। संघ प्रमुख ने कहा कि हम लोग तो सर्व लोकयुक्त भारत वाले लोग हैं, मुक्त वाले नहीं। संघ प्रमुख ने बच्चों में संस्कारों की कमी पर चिंता जताते हुए कहा कि मोबाइल के कारण बच्चे संस्कार से दूर हो रहे हैं। उनका बचपन खराब हो रहा है। उन्होंने शिक्षाविद्, चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों से इस समस्या के समाधान के लिए अभिभावकों को जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जातिप्रथा, भेदभाव जैसी सामाजिक विसंगतियों को दूर करने के लिए समाज को एकजुट करना होगा।

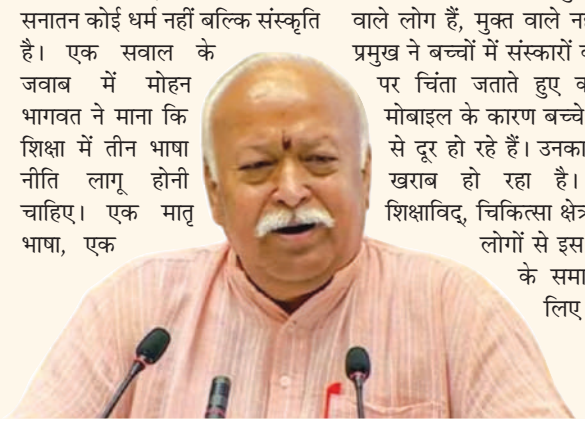

सामाजिक विसंगतियों को दूर करने में सहयोग करें प्रबुद्धजन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघचालक मोहन भागवत ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले प्रबुद्धजन सामाजिक विसंगतियों को दूर करने में सहभागिता निभाएं। सोमवार को प्रबुद्धवर्ग के लोगों से संवाद में संघ प्रमुख ने राष्ट्र की उन्नति, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कृति की रक्षा पर जोर दिया।

जो अच्छा काम कर रहे हैं उनका सहयोग करें

भागवत ने कहा कि समाज में प्रबुद्धजन यदि तटस्थ रहेंगे तो राजनीति भटक जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज में जो अच्छा काम हो रहा है उसका सहयोग करना चाहिए। अवध प्रांत के चार दिवसीय प्रवास के अंतिम दिन मोहन भागवत ने सोमवार सुबह और शाम को दो चरणों में शिक्षा, वकालत, सेना, कृषि, चिकित्सा, पत्रकारिता सहित अन्य क्षेत्र से जुड़े लोगों से संवाद किया। सरस्वती शिशु मंदिर में शाम को दूसरे दौर के संवाद में सेना सहित कुछ अन्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने कहा कि वह राजनीति या किसी पार्टी से नहीं जुड़ना चाहते हैं। भागवत ने कहा कि संघ भी राजनीतिक संगठन नहीं हैं। लेकिन समाज में जो अच्छा काम हो रहा है उसका सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों की ओर से समाज में परिवर्तन के लिए अनेक अच्छे कार्य किए जा रहे हैं। प्रबुद्ध जन उन कार्यों में सहयोगी हो सकते हैं।

वसुंधरा को किनारे लगाना भाजपा को राजस्थान में पड़ सकता है भारी

» राजे को किनारे करना कांग्रेस को पहुंचा सकता है फायदा

» गहलोत-पायलट की तरह प्रदेश का सबसे बड़ा चेहरा हैं वसुंधरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में लोकसभा चुनाव में अभी 5 से 6 महीने का समय शेष है, लेकिन उससे पहले देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। ये विधानसभा चुनाव हर राजनीतिक दल के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा है। खासकर देश के दो सबसे बड़े राजनीतिक दलों भाजपा और कांग्रेस के लिए ये विधानसभा चुनाव काफी अहम हैं। क्योंकि जिन राज्यों में चुनाव होने हैं उनमें से अधिकतर राज्यों में मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच में ही है। इन राज्यों में एक महत्वपूर्ण राज्य है राजस्थान। राजस्थान में इसी साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। राजस्थान में अभी कांग्रेस की सत्ता है। लेकिन राजस्थान ऐसा प्रदेश है जहां हर पांच साल में सत्ता परिवर्तन की परंपरा रही है। ऐसे में कांग्रेस जहां इस बार इस परंपरा को तोड़कर फिर से अपनी सत्ता वापसी का प्रयास कर रही है, तो वहीं दूसरी ओर भाजपा एक बार फिर सत्ता परिवर्तन की परंपरा को ध्यान में रखते हुए राजस्थान की सत्ता को हथियाना चाह रही है।

लेकिन इस बार राजस्थान का मुकाबला हर बार से अधिक रोचक होने की उम्मीद है। इसकी वजह है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही अंदरूनी कलह से जूझ रही हैं। दोनों ही दलों में उनके बड़े-बड़े नेता ही अपनी पार्टी से खुश नजर नहीं आ रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस ने तो चुनाव करीब आता देख अपनी पार्टी में ऑल इज वेल करने का प्रयास किया है, लेकिन भाजपा में ये कड़वाहट अभी भी देखने को मिल रही है। क्योंकि प्रदेश में भाजपा का सबसे बड़ा चेहरा मानी जानी वाली व राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को ही भाजपा में इस बार वो तवज्जो नहीं दी जा रही है, जो उन्हें अब तक मिलती रही है। हालांकि, कल पीएम मोदी के राजस्थान दौरे पर वसुंधरा राजे जरूर पीएम मोदी के साथ दिखाई दीं, लेकिन कल भी ये साफ पता चल रहा था कि वसुंधरा सिर्फ साथ खड़ी जरूर हैं, लेकिन पार्टी के अंदर मतभेद अभी भी बरकरार हैं। ऐसे में सवाल ये भी उठ रहा है कि क्या भाजपा वसुंधरा को साइडलाइन कर रही है? और क्या वसुंधरा को साइडलाइन करके भाजपा सत्ता में आने के अपने सपने को पूरा कर पाएगी? या फिर वसुंधरा की नाराजगी भाजपा को ही महंगी पड़ सकती है? ऐसे कई सवाल हैं जो राजनीतिक विश्लेषक और राजस्थान के लोगों के साथ-साथ भाजपा के लोगों के दिमाग में भी घूम रहे हैं। क्योंकि इस बात से हर कोई काफी अच्छे से वाकिफ है कि राजस्थान में वसुंधरा राजे का क्या कद है, क्या रुतबा है। साथ ही वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत की दोस्ती व

राजे युग से बाहर निकलना चाहती बीजेपी

अगर राजस्थान के राजनीतिक पृष्ठभूमि की बात करें तो राजस्थान में 200 विधानसभा सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए 101 सीटें चाहिए। यहां सीधा मुकाबला कांग्रेस और बीजेपी के बीच है। पिछला 5 साल राजस्थान की राजनीति के लिए बेहद नाटकीय भरा रहा है। इस दौरान चाहे सत्ताधारी कांग्रेस हो या फिर बीजेपी, दोनों ही दलों में उथल-पुथल देखने को मिला है। अब जब विधान सभा चुनाव दहलीज़ पर है, तो कांग्रेस और बीजेपी अपनी-अपनी रणनीतियों को अमली जामा देने में जुटी हैं। वसुंधरा राजे इसलिए भी इस बार के चुनाव में काफी अहम किरदार हो जाती हैं क्योंकि इस बार राजस्थान विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए दो नजरिये से खास है। एक तो यहां से कांग्रेस को बेदखल कर बीजेपी खुद सत्ता में आने का मंसूबा लेकर आगे बढ़ रही है। दूसरी तरफ जिस अंदाज में चुनावी रणनीति को आगे बढ़ा रही है, उससे लगता है कि वो वसुंधरा राजे युग से बाहर निकलना चाहती है। पिछले चुनाव के बाद से ही जो पार्टी का रुख रहा है, उससे कहा जा सकता है कि इस बार के विधान सभा चुनाव के माध्यम से बीजेपी प्रदेश में नेतृत्व की नई पौध उगाना चाह रही है। भाजपा को भली भांति पता है कि पांच साल सत्ता में रहने के बावजूद राजस्थान में कांग्रेस की स्थिति मजबूत है। कांग्रेस के पास वरिष्ठ नेता और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ ही तेज-तर्रार युवा नेता सचिन पायलट की ताकत है। इसके बावजूद बीजेपी पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी की सबसे कद्दावर नेता वसुंधरा राजे की लगातार अनदेखी कर रही है। यह बात हैरान करने वाली है। हालांकि यह बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व की सोची-समझी चुनावी रणनीति का भी हिस्सा हो सकता है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है। राजस्थान में चुनाव के नजदीक आते-आते बीजेपी में अंदरूनी कलह उफान पर है। यह भी कहा जा सकता है कि अपने सबसे वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे को ही दर-किनार करने में शीर्ष नेतृत्व के साथ ही पार्टी की प्रदेश इकाई अपनी ऊर्जा खपा रही है। अगर ऐसा ही होता रहा तो विधान सभा चुनाव में यह बीजेपी के लिए आत्मघाती गोल साबित हो सकता है।

भाजपा के लिए आसान नहीं वसुंधरा का विकल्प तलाशना

विभिन्न धड़ों में बंटी बीजेपी के लिए चुनाव से पूर्व वसुंधरा राजे की अनदेखी से चुनाव नतीजे के लिहाज से पार्टी को झटका लग सकता है। क्योंकि अभी भी भाजपा के पास राजस्थान में वसुंधरा राजे की तरह कद और प्रभाव रखने वाला कोई और दूसरा नेता नहीं है। वसुंधरा राजे का प्रभाव अमूनन प्रदेश के हर हिस्से में है। वहीं न तो जाट समुदाय से आने वाले सतीश पूनिया का और न ही गजेंद्र सिंह शेखावत का वैसा प्रभाव पूरे राजस्थान में है। ये दोनों ही नेता कुछ खास इलाकों में जरूर प्रभाव रखते हैं। ऐसी भी अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व 70 साल की वसुंधरा राजे का भविष्य केंद्रीय राजनीति में सुनिश्चित करना चाहता है, ताकि राजस्थान में बिना किसी अंदरूनी कलह और बगावत के नए नेतृत्व को मौका देने में कोई रुकावट न आए। हालांकि, वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री पद को लेकर अपनी दावेदारी इतनी आसानी से छोड़ने के मूड में नजर नहीं आ रही हैं। वसुंधरा राजे राजस्थान की राजनीति में ही बनी रहना चाहती हैं, एक बार फिर से उन्होंने अपने ताजे बयान के माध्यम से शीर्ष नेतृत्व को संदेश दे दिया है। वसुंधरा राजे ने दो टूक कहा कि वो राजस्थान को छोड़कर कहीं नहीं जाने वाली हैं। उनके इस बयान से स्पष्ट है कि वे दिल्ली की राजनीति में जाने का कोई इरादा नहीं रखती हैं। वसुंधरा राजे का कद राजस्थान में इतना बड़ा है कि किसी पार्टी के लिए उस शख्सियत की उपेक्षा करना किसी भी पार्टी के लिए हानि का सबब बन सकता है। दूसरी ओर राजस्थान की सत्ता ढाई दशक से वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत के इर्द-गिर्द ही घूमते रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एक के बाद एक लोक-लुभावन वादे और घोषणाओं की एलान कर रहे हैं, वो स्पष्ट दिखाता है कि कांग्रेस इस बार राजस्थान में हर पांच साल पर सत्ता परिवर्तन की परंपरा बदलने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। अशोक गहलोत और सचिन पायलट की लोकप्रियता को देखते हुए भाजपा के लिए वसुंधरा राजे से बड़ा कोई नेता यहां नहीं है। राज्य में पार्टी की सबसे वरिष्ठ और कद्दावर नेता वसुंधरा राजे को आगे करके ही बीजेपी गहलोत-पायलट की जोड़ी का तोड़ निकाल सकती है। 2018 के विधानसभा चुनाव में ये स्पष्ट दिखा था कि बिना वसुंधरा राजे को आगे किए सिर्फ़ प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर राज्य की सत्ता को हासिल करने के लिए लोगों का समर्थन पाना उतना आसान नहीं है। 70 साल की वसुंधरा राजे दो बार राजस्थान की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। ढाई दशक से बीजेपी की सिर्फ़ वहीं एक नेता हैं जिन्हें राजस्थान के हर वर्ग और हर इलाके में समर्थन मिलते रहा है। राजस्थान में वसुंधरा राजे से बड़े कद का बीजेपी के पास फिलहाल कोई नेता नहीं दिखता। तमाम विरोधाभासों के बावजूद अभी भी वसुंधरा राजे राजस्थान में जननेता के तौर पर बेहद लोकप्रिय हैं। 2024 के लोक सभा चुनाव को देखते हुए भी राजस्थान विधानसभा का आगामी चुनाव बीजेपी के लिए और भी ज्यादा खास हो जाता है। राजस्थान वो राज्य है, जहां बीजेपी 2014 और 2019 दोनों ही लोक सभा चुनाव में शत-प्रतिशत सीटें जीत चुकी है। अगर बीजेपी राजस्थान में वसुंधरा राजे को दर-किनार कर चुनाव लड़ती है, तो मुमकिन है कि पार्टी को इससे हानि हो।

2018 में सत्ता गंवाने के बाद से वसुंधरा को किया जा रहा नजरंदाज

बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से अब तक के रवैये से यह करीब करीब स्पष्ट हो गया है कि पार्टी मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरे के ऐलान के बिना ही आगामी विधानसभा चुनाव में उतरने वाली है। दरअसल राजस्थान में वसुंधरा राजे की अनदेखी का सिलसिला 2019 के लोक सभा चुनाव से ही शुरू हो गया था। 2018 के विधानसभा चुनाव में तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे पार्टी को सत्ता में बरकरार नहीं रख पाई थीं। उसी का खामियाजा था कि विधान सभा चुनाव के 4 महीने बाद ही हुए लोकसभा चुनाव में बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से वसुंधरा राजे को कोई खास तवज्जो नहीं मिली थी। उस वक्त से शुरू हुआ यह सिलसिला लगातार जारी रहा। उसी का नतीजा था कि सितंबर 2019 में अंबर से बीजेपी विधायक सतीश पूनिया, वसुंधरा राजे के नहीं चाहने के बावजूद पार्टी प्रदेश अध्यक्ष बनते हैं। सतीश पूनिया इस साल मार्च तक इस पद पर रहते हैं। हालांकि, चुनावी साल में मार्च के आखिर में बीजेपी चित्तौड़गढ़ से लोक सभा सांसद चंद्र प्रकाश जोशी को प्रदेश अध्यक्ष बना देती है। सतीश पूनिया के प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए वसुंधरा राजे पार्टी की राज्य इकाई से लगातार दूरी बनाकर रखती रहीं। या यूं कहें कि राज्य इकाई भी इसी रवैये पर आगे बढ़ती रही है। प्रदेश में बीजेपी की परिवर्तन संकल्प यात्रा से भी वसुंधरा राजे की बे-रुखी किसी से छिपी नहीं है। हालांकि पिछले 4-5 साल में वसुंधरा राजे को जब भी मौका मिलता था, वसुंधरा राजे अपना शक्ति प्रदर्शन करने से पीछे नहीं हटती थीं। इन मौकों पर उनका आक्रामक तेवर भी दिखने को मिलता रहा है।

संबंधों से भी भाजपा और कांग्रेस दोनों ही भली-भांति वाकिफ हैं। ऐसे में इस बात की संभावना तो कम ही लगती है कि भाजपा पूरी तरह से वसुंधरा राजे से किनारा कर पाएगी। लेकिन हां, फिलहाल तो ये साफ जाहिर हो रहा है कि भाजपा वसुंधरा राजे को साइडलाइन कर रही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भाजपा के लिए आगे राह और होगी कठिन

2024 के लोकसभा चुनाव में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा रह गया है। चुनाव में 5 से 6 महीनों का समय ही शेष रह गया है। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी योजना बनाने में जुट गए हैं। 2024 में भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए अधिकांश विपक्षी दलों ने एकजुट होकर इंडिया गठबंधन का गठन किया है। इसमें कांग्रेस के नेतृत्व में लगभग देश के सभी प्रमुख विपक्षी दल शामिल हैं। इन विपक्षी दलों के एकसाथ आने से भाजपा के लिए मुश्किलें बढ़ी हैं। इसीलिए भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में भी कई ऐसे दलों को शामिल किया गया है जिनकी विधानसभा या लोकसभा में कोई सीट भी नहीं है। लेकिन फिर भी भाजपा ने वोट काटने और एनडीए में संख्या बढ़ाने के लिए इन दलों को अपने कुनबे में शामिल किया है। लेकिन ऐसा लगता है कि 2024 में भाजपा और पीएम मोदी के लिए मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। क्योंकि जाहिर है कि इस बार न तो 2014 और 2019 वाली मोदी लहर दिखाई दे रही है और न ही हिंदुत्व का कार्ड भाजपा के उतना काम आ रहा है। क्योंकि इन दोनों हथियारों के लाख इस्तेमाल के बाद भी भाजपा हिमाचल और कर्नाटक में अपनी सरकार बचा पाने में पूरी तरह से फेल रही।

तो वहीं जिन 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, उनमें भी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में भाजपा के लिए सत्ता की राह काफी ज्यादा मुश्किल दिखाई दे रही है। क्योंकि एमपी और छत्तीसगढ़ में माहौल कांग्रेस की ओर नजर आ रहा है। तो वहीं भाजपा भी इस बात को भांप रही है, तभी पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह बार-बार इन राज्यों के दौरे कर रहे हैं और सौगातें बांट रहे हैं। तो वहीं तेलंगाना में भाजपा के लिए अभी भी कुछ भी नजर नहीं आ रहा है। वहां मुकाबला सत्ताधारी केसीआर की बीआरएस और कांग्रेस के बीच ही होने के आसार दिखाई पड़ रहे हैं। जबकि राजस्थान में भी वसुंधरा राजे को साइडलाइन करने से भाजपा खुद ब खुद बैकफुट पर नजर आ रही है। इस सबके बीच भाजपा इस बार साउथ में कर्नाटक गंवाने के बाद तमिलनाडु पर अपनी गहरी नजर गड़ाए बैठी है। क्योंकि अब भाजपा तमिलनाडु के जरिए दक्षिण भारत में प्रवेश करना चाह रही है। जिसकी एक झलक नए संसद भवन में सेंगोल को स्थापित करके दिखी। लेकिन अब जब लोकसभा चुनाव करीब आता जा रहा है, तब भाजपा को तमिलनाडु से एक बड़ा झटका लगा है। पिछले काफी लंबे वक्त से भाजपा की साथी और एनडीए का हिस्सा रही तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम यानी कि एआईएडीएमके ने एनडीए गठबंधन से अपना रिश्ता पूरी तरह से तोड़ लिया है।

“ इन विपक्षी दलों के एकसाथ आने से भाजपा के लिए मुश्किलें बढ़ी हैं। इसीलिए भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में भी कई ऐसे दलों को शामिल किया गया है जिनकी विधानसभा या लोकसभा में कोई सीट भी नहीं है। लेकिन फिर भी भाजपा ने वोट काटने और एनडीए में संख्या बढ़ाने के लिए इन दलों को अपने कुनबे में शामिल किया है। लेकिन ऐसा लगता है कि 2024 में भाजपा और पीएम मोदी के लिए मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

तरक्की का लाभ अंतिम व्यक्ति को भी मिले

सुरेश सेठ

पिछले दिनों कुछ ऐसी घटनाएं हुई हैं जो उपलब्धियां बनकर भारत की साख को दुनिया में बढ़ा गईं। जिस देश ने सदियों औपनिवेशिक त्रासदी झेली, गरीबी का मुकाबला किया, दुनिया के देश उसे वैश्विक नेतृत्व की राह पर चलता हुआ बताने लगे। नि:संदेह, विश्वभर की आर्थिक मंदी के वातावरण में भी भारत ने अपनी विकास दर को बनाए रखा और एक दशक में दुनिया की पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया। चुनौतीपूर्ण समय में भारत की आवाज सुनी जाने लगी है। जी-20 का साझा घोषणापत्र एक बहुत बड़ा इम्तिहान था। पिछली बार इंडोनेशिया या बाली में जो घोषणापत्र जारी हुआ था, उसे रूस ने स्वीकार नहीं किया था क्योंकि उसमें रूस-यूक्रेन युद्ध के बारे में रूस का नाम लेकर आलोचना थी। इस बार यह भारत की कूटनीति की जीत हुई। रूस और चीन ने भी साझा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने में देर नहीं लगाई।

भारत ने जिस तरह जी-20 में अफ्रीकी यूनियन को शामिल किया तथा इंडिया-मिडिल ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर की स्थापना का रास्ता तैयार किया, वह हमारी बड़ी उपलब्धि है। अमेरिका, सऊदी अरब और यूरोप के देश एक ही मंच पर आकर चीन के उन सपनों को झुठला रहे हैं, जिनके अंतर्गत वह वन बैल्ट वन रोड परियोजना बना रहा था। इससे पहले कि वह हिंद प्रशांत इलाके में अपना दबदबा बना पाता, भारत ने उसको भी चुनौती दे दी है। जी-20 के देशों की अर्थव्यवस्था 85 प्रतिशत तक दुनिया में योगदान कर रही है। इसके निवेश के लिए चीन के आर्थिक साख में उखड़ते जाने से निवेश के लिए पसंदीदा देश या विकल्प भारत का बन जाना हमारे विनिर्माण क्षेत्र को बहुत बड़ी ताकत दे रहा है। वहीं चाहे महंगाई को रोकने के लिए मौद्रिक नीति का रुख बदलकर देश में निवेश विकास के स्थान पर महंगाई नियंत्रण कर दिया गया, इसके बावजूद ऋण पर बढ़ती ब्याज दरों के चलते देश में ऋण लेने की दर कम नहीं हुई। इस तरह निवेश में यूं वातावरण बना रहा जहां बार-बार शेयर मंडियों की चांदी होती रही।

दुनिया बदल रही है। दुनिया के काम करने के तौर-तरीके बदल रहे हैं। अब दिल्ली में देखें तो भारत मंडपम और यशोभूमि से उठती हुई आवाज इन बदलते तौर-तरीकों की सूचना देती है। भारत ने अमेरिका और यूरोप का सहयोग तो हासिल कर लिया लेकिन यह हमारी कूटनीति की विशेषता थी कि हमने चीन की वर्चस्ववादी नीतियों को हावी नहीं होने दिया। रूस ने चाहे चीन और

पाकिस्तान की ओर मित्रता का हाथ अधिक जोश से बढ़ाया लेकिन भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर शांति की पैरवी करते हुए उस तटस्थ रुख को नहीं छोड़ा कि जिसके कारण रूस की नाराजगी मोल ली जा सकती थी। बल्कि अपने कठिन समय में रूस ने सस्ता कच्चा तेल लेकर स्थिति को सम्भाला। फिर इसी कच्चे तेल को भारत की रिफाइनरियों ने फिनिश करके दुनिया के बाजार में बेचा और भारत ने पैसा कमाया। भारत की नई छवि की बात करते हैं तो इसरो को कैसे भुलाया जा सकता है। इसरो का चंद्रयान अभियान पूरी तरह से सफल हुआ है। इस सफल अभियान से हमें चांद के धरातल पर विशेष तथ्यों से साक्षात्कार करवाए गए। इसरो की मुहिम लगातार गति पकड़ रही है। अब सूरज की ओर आदित्य अभियान सफलता के साथ अपने कक्ष बदलता हुआ स्थापित हो रहा है। उससे हमें सूरज से वे जानकारियां प्राप्त हो सकती हैं, जो आने वाले दिनों में जलवायु के असाधारण परिवर्तनों से होने वाली तबाही को कम या टालने में सहायक होंगी। पिछले दिनों छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए इसरो का निजीकरण भी हुआ है और तीसरी दुनिया के देशों ने अपने संचार उपग्रह प्रक्षेपण के लिए भारत की सेवाएं लेने की ओर उत्साह दिखाया है। निश्चय ही यह निजीकरण और इससे होने वाली कमाई हमारी विदेशी मुद्रा के भंडार को भरेगी। हम अपनी मुद्रा के डॉलर क्षेत्र में अवमूलन से बचत का एक रास्ता खोल सकेंगे। वैसे तो मुक्त व्यापार या अपनी-अपनी मुद्रा में व्यापार भी एक रास्ता है। भारत उस रास्ते पर भी चल निकला है। क्वाड देशों का समूह भारत की इस पहलकदमी के साथ प्रतिबद्धता जता रहा है। अब आसियान देशों के साथ व्यापार की यह समझ पैदा हो जाती है तो यह निश्चय ही भारत की छवि को और भी उज्ज्वल कर देगी।

बस, एक ही बात की प्रतीक्षा इस बदलती हुई छवि में रहेगी। वह यह कि जब भारत की इस उन्नत होती हुई छवि से देश का चेहरा उजला हो तो उसके साथ-साथ उसमें रहने वाले करोड़ों गरीबों का चेहरा भी उजला होना चाहिए। उस पर से उदासीनता के बादल छटें। वैसे इस दिशा में पहल हुई है। इसके लिए अभी-अभी जिस विश्वकर्मा योजना को शुरू किया गया है जिसमें कारीगरों की आर्थिक स्थिति सुधारने की खोज-खबर ली जाएगी। अगर इसे सही ढंग से चलाया जाता है तो इससे देश की 55 प्रतिशत आबादी का भला हो जाएगा क्योंकि ये सभी लोग छोटे-बड़े कारीगर हैं।

कनाडा से उपजा है खालिस्तान का कोलाहल

राजेश रामचंद्रन

केवल एक गैर-जिम्मेदार मुल्क ही किसी वरिष्ठ राजनयिक को दोषी करार देते हुए, देश निकाला देकर, उसे हिंसक तत्वों के हवाले करेगा जिन्होंने एक प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, पूर्व सेनाध्यक्ष, नौकरशाह, पुलिस और सेनाधिकारी, सैकड़ों राजनेता और हजारों बेगुनाह मारे हों। सबूत का एक टुकड़ा तक सार्वजनिक किए बिना पंजाब कैडर से भारतीय पुलिस सेवा के एक अधिकारी पर अंगुली उठाकर कनाडाई सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि पश्चिमी गठबंधन का यकीन कानून के शासन में नहीं है या फिर कम-से-कम भूरे वर्ण के लोगों के लिए तो नहीं। अब उक्त अफसर और परिवार को आगामी कई सालों तक चौबीसों घंटे पहरे तले रहना पड़ेगा, और किस लिए?

कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा 'विश्वसनीय आरोपों' के आधार पर खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर के कत्ल से भारतीय सरकार के एजेंटों का संबंध जोड़ने वाले गैर-जिम्मेदाराना बयान पर आरंभिक आक्रोश के बाद अब यह मानने के कारण हैं कि ट्रुडो का ऐसा कहना केवल बेलगाम होकर नहीं है, न ही किसी निजी चिढ़ की वजह से। वह 'फाइव-आइज' नामक गुट या यूं कहें अंग्रेजी-भाषी साम्राज्य द्वारा सौंपा काम पूरा करने वाले एक गुलाम की भूमिका निभा रहे हैं। अगर ऐसा न होता तो अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सलिवन खुद सामने आकर न कहते कि भारत को 'विशेष रियायत' नहीं दी जाएगी, और यह ट्रूडो के इल्जामों की आंख मूंदकर अनुमोदन और मान्यता है। जैसा कि अपेक्षित था, अपुष्ट सूत्रों को आधार बनाकर यह कहानियां पश्चिमी जगत में फैलाई जाने लगी हैं कि ट्रूडो के पास कुछ 'इंसानी और सिग्नल आधारित खुफिया जानकारी है', जिसमें कनाडा स्थित भारतीय राजनयिकों के बीच बातचीत भी शामिल है। लगता है एक पश्चिमी सहयोगी ने यह कथित सबूत जुटाने में मदद की है। जैसे-जैसे परतें खुलती जा रही हैं, गढ़ी कहानी और गहरी होती जा रही है अर्थात भारतीय अधिकारी या अधिकारियों पर गिराई गाज के पीछे की वजह ट्रूडो का आहत हुआ अहम कतई नहीं है। यह पश्चिमी जगत की भारत विरोधी साजिश है। लेकिन जिस सवाल को उत्तर की दरकार है, दुनिया में भारत की स्थिति को इस तरह कमजोर करने वाले आघात का रणनीतिक उद्देश्य क्या है?

सच और कुछ नहीं बल्कि यह है कि पश्चिमी जगत भारत में एक कमजोर, कम महत्वाकांक्षी और कम मुखर गठबंधन सरकार से बरतकर ज्यादा राजी है। लेकिन यदि आरोपों का मंतव्य प्रधानमंत्री मोदी को चुनावी चोट पहुंचाना है, तो इसका असर उलट होगा क्योंकि ऐसा करके गोरे लोग मोदी-भक्तों के सबसे बड़े सपने यानि आतंकियों से निबटने में-घर में घुसकर मारना वाले नारे को बुलंद कर देंगे। वास्तव में, कराची में या जहां कहीं दाउद इब्राहिम छिपा है, यदि उसे भी ओसामा बिन लादेन की तर्ज पर 'बिना किसी विशेष रियायत' के ढेर कर दिया जाए तो मोदी का एक और कार्यकाल पक्का। भारतीय लोगों का मत, खासकर मुंबई के 26/11 के मुंबई हमले के बाद, आतंकियों और आतंक के अड्डों पर चोट करने के प्रति अडिग है।

फिर, पश्चिमी जगत का रणनीतिक मकसद क्या जी-20 के प्रभाव को खत्म करना या भारत को दक्षिणी गोलार्द्ध के जायज नेतृत्व से महरूम करना या भारत की छवि एशिया में एक धीमी गति से सुधार करने वाले एक बीमारू राष्ट्र की बनाना है? पुन:, इसका असर कितना होगा? इसके गौरव को दिया ऐसा निर्मम झटका भारत के मध्य वर्ग के मन में संशय पैदा करेगा कि कहीं भारत-मध्य एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे से पश्चिमी जगत फिर से हम पर औपनिवेशिक जकड़ तो नहीं बनाना चाहता। यह भी कि खालिस्तानी आतंकवाद और पृथकतावाद आंदोलन भारत में चलने वाली अन्य किसी कट्टरवादी लहर जैसा नहीं है। यह विशुद्ध रूप से विदेशों में बसे भारतीय मूल के एक वर्ग द्वारा संचालित है, जिसको भारतीय पंजाब में जरा समर्थन प्राप्त नहीं है। 'अभिव्यक्ति की आजादी' वाली कनाडाई दलील के एजेंडे का पंजाब में पर्दाफाश 'तबाही की आजादी' से हो जाता है, जिस पर अमल आतंकियों को अपने यहां पनाह देने वाली नीति से हो रहा है। कनाडा ने अन्य लोगों के अलावा उन कातिलों को शरण दे रखी है, जिन्होंने विदेशों से आए धन और उकसावे के तहत, लोगों को धार्मिक पहचान के आधार पर बसों और रेल से खींचकर नीचे उतारा और मार डाला।

खालिस्तान के नक्शे में कभी भी महाराजा रणजीत सिंह की राजधानी रहा लाहौर नहीं दिखाया गया और यह भारत में धर्म के आधार पर टुकड़े करवाने के लिए, पश्चिम की शह प्राप्त पाकिस्तानी साजिश को स्पष्टतया बेनकाब करता है। ऐसा भी नहीं कि लोगों ने भारत में अहिंसक किंतु पृथकतावादियों को न चुना हो। यहां तक कि 2022 में लोकसभा उप-चुनाव में मुख्यधारा के दलों से खफा हुए लोगों ने पंजाब के एक अग्रणी पृथकतावादी को सांसद चुन डाला। लेकिन जब गुस्सा उतर गया तो उन्हीं लोगों ने एक अन्य पृथकतावादी उम्मीदवार की जमानत जब्त करवा दी। यह है असल 'अभिव्यक्तिकी आजादी'। और पंजाब में यह भरपूर है। इस परिप्रेक्ष्य में पंजाबियों को अपनी सारी पूंजी लगाकर बच्चे कनाडा भेजने पर पुनर्विचार करना चाहिए। इस मद में बाहर जा रहे धन का मोटा-सा हिसाब 'दि ट्रिब्यून' ने लगाया है (दुर्भाग्यवश पंजाब सरकार के पास तैयार डाटा उपलब्ध नहीं है) कि लगभग 68,000 करोड़ रुपया हर साल पंजाब से विदेशों को जा रहा है। यह कुल धन निर्गमन का केवल 60 फीसदी है, जोकि 10 बिलियन डॉलर तक हो सकता है।

लौकी का रायता

पाचन तंत्र को रखेगा दुरुस्त

अचार, चटनी, पापड़ और रायता...ये हमारे भारतीय खानपान का सिर्फ स्वाद ही नहीं बढ़ाते, बल्कि पाचन तंत्र को भी दुरुस्त रखने में मददगार होते हैं खासतौर से रायता। रायता को कई सारी व्यंजनों के साथ साइड डिश के तौर पर सर्व किया जाता है। तहरी, पुलाव और बिरयानी तो बिना रायते के अधूरे हैं। वैसे तो सबसे पॉपुलर बूंदी का रायता होता है, लेकिन इसे और भी कई तरह की सब्जियों और फलों के साथ बनाया जा सकता है। अगर आप खानपान के जरिए वजन कम करने की सोच रहे हैं, तब तो रायते को जरूर अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। लौकी का रायता है कई मायनों में फायदेमंद। फाइबर और प्रोटीन से भरपूर लौकी का हर रूप में सेवन आपके शरीर को लाभ ही पहुंचाता है।

सामग्री

कद्दूकस की हुई लौकी, दही, बारीक कटी हरी मिर्च, काला नमक, भुना जीरा दरदरा पीसा हुआ, पानी और आइस क्यूब्स।

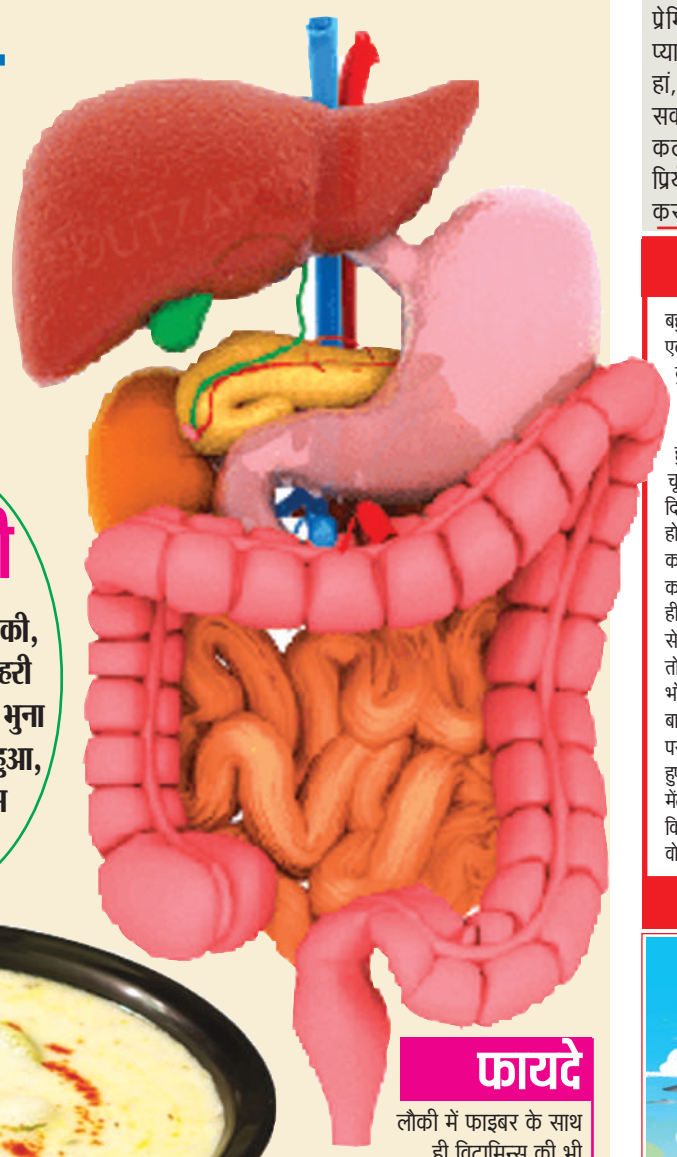

फायदे

लौकी में फाइबर के साथ ही विटामिन्स की भी अच्छी-खासी मात्रा मौजूद होती है, जो हमारे शरीर के कई फंक्शन्स के लिए जरूरी है। लौकी में पानी की भी काफी मात्रा होती है, जो बॉडी को हाइड्रेट रखती है। फाइबर की मौजूदगी की वजह से पेट लंबे समय तक फुल रहता है जिससे ओवरइटिंग से बचा जा सकता है।

विधि

कद्दूकस की हुई लौकी को पानी में डालकर कम से कम 2 से 3 मिनट तक उबाल लें। पानी से निकालकर थोड़ी देर के लिए इसे आइस क्यूब यानी बर्फ वाली पानी में डाल दें। एक दूसरे बाउल में दही, काला नमक, बारीक कटी हरी मिर्च और भुना हुआ जीरा डालकर अच्छी तरह सारी चीज़ों को मिक्स कर लें। अब इसमें आइस क्यूब से लौकी निकालकर डाल दें और अच्छी तरह मिला लें। ऊपर से हरी धनिया की पत्ती इच्छानुसार डालकर सर्व करें।

चना दाल कबाब हेल्थ के लिए फायदेमंद

चना दाल हमारे भारतीय खानपान का जरूरी हिस्सा है। इसका इस्तेमाल दाल के अलावा सब्जी के तौर पर भी किया जाता है। जिसमें लौकी- चना दाल की सब्जी सबसे ज्यादा मशहूर है। इसके बाद इससे तरह-तरह की मिठाइयां भी बनाई जाती हैं लेकिन एक और तरीका है, जिसमें आप इस दाल का इस्तेमाल कर सकते हैं और वो है कबाब। जी हां, चने की दाल से आप टेस्टी कबाब भी तैयार कर सकते हैं। चने की दाल कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसे खाने से शरीर को ताकत मिलती है। पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है, जिससे वजन कम करना आसान होता है। इसके अलावा ये दाल हार्ट हेल्थ के लिए भी फायदेमंद होती है।

सामग्री

चना दाल- 1 कप, पालक- 2 कप (बारीक कटे हुए), चाट मसाला- 1 चम्मच, अदरक- 1 चम्मच (कसा हुआ), लहसुन- 2 से 3 कलियां (बारीक कटी हुई), प्याज- 1 छोटा (बारीक कटा हुआ), हरी धनिया- 1/2 कप (बारीक कटी हुई), हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी हुई), चावल का आटा-1 कप, गरम मसाला- 1/2 चम्मच, काली मिर्च पाउडर- 1/4 चम्मच, हल्दी- 1/4 चम्मच. स्वादानुसार नमक, तलने के लिए सरसों का तेल।

विधि

चना दाल को लगभग 1 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद प्रेशर कुकर में पानी से निकालकर चना दाल डालें। उसमें अदरक, लहसुन, हल्दी और एक कप पानी डालकर, लगभग 3 से 4 सीटी आने तक पकाएं। जब यह अच्छी तरह से पक जाए, तो बाहर निकालकर ठंडा होने दें। इसके बाद इसे ब्लेंडर में डालकर स्मूद पेस्ट तैयार बना लें। इस पेस्ट को किसी बाउल में डालें। अब बारी है इसमें प्याज, हरी मिर्च, चाट मसाला, गरम मसाला, काली मिर्च पाउडर, धनिया की पत्तियां, स्वादानुसार नमक, थोड़ा सा चावल का आटा डालकर मिलाने की। एक प्लेट में अलग से चावल का आटा निकाल कर रख लें। दाल वाले मिश्रण से मनचाहे शेप के कबाब बनाएं। मिश्रण हाथों में न चिपके इसके लिए हाथों में पानी या तेल लगा सकते हैं। गैस पर कड़ाही चढ़ाएं और उसमें तेल डालें। तेल गर्म होने पर कबाब के दोनों ओर चावल का आटा कोट करें और तेल में तल लें। पसंदीदा चटनी के साथ सर्व करें।

हंसना मना है

लड़की (लड़के से)- भाई-जान थोड़ा साइड दे दो। लड़का (गुस्से में)- तुम लड़कियां इतना कंफ्यूज क्यूं करती हो? या तो भाई कह लो या जान।

संता ने अपनी गर्लफ्रेंड का नाम ब्लेड से अपने हाथ पर लिखा। थोड़ी देर बाद वह जोर-जोर से रोने लगा। बंता-क्यों रो रहा है? संता-यार स्पेलिंग गलत हो गई !

प्रेमिका प्रेमी से- क्या तुम मुझे बेहद प्यार करते हो? प्रेमी प्रेमिका से बोला- हां, प्रिये, मैं तुम्हारे लिये जान तक दे सकता हूं। प्रेमिका - जान मत दो , पर कल क्या सौ का एक नोट दोगे? प्रेमी - प्रिये ! प्यार मोहब्बत में पैसे नहीं मांगा करते हैं।

प्रेमी -प्रेमिका ने जब एक दूसरे को विवाह का वचन दे दिया, प्रेमिका- परन्तु प्रिय , में एक बात मैं पहले साफ कर दूं -मुझे खाना पकाना नहीं आता, प्रेमी- कोई बात नहीं प्रिय , मैं भी पहले ही साफ किये देता हूं , मैं कवि हूं , मेरे घर में पकाने के लिए कुछ है ही नहीं।

कहानी

मेंढक और चूहा

बहुत समय पहले की बात है, किसी घने जंगल में एक छोटा-सा जलाशय था। उसमें एक मेंढक रहा करता था। उसे एक दोस्त की तलाश थी। एक दिन उसी जलाशय के पास के एक पेड़ के नीचे से चूहा निकला। चूहे ने मेंढक को दुखी देखकर उससे पूछा, दोस्त क्या बात है तुम बहुत उदास लग रहे हो। मेंढक ने कहा कि मेरा कोई दोस्त नहीं है, जिससे में ढेर सारी बातें कर सकूं। अपना सुख-दुख बताऊं।' इतना सुनते ही चूहे ने उछलते हुए जवाब दिया, 'अरे! आज से तुम मुझे अपना दोस्त समझो, मैं तुम्हारे साथ हर वक्त रहूंगा।' इतना सुनते ही मेंढक बेहद खुश हुआ। दोस्ती होते ही दोनों घंटों एक दूसरे से बातें करने लगे। मेंढक जलाशय से निकलकर कभी पेड़ के नीचे बने चूहे के बिल में चला जाता, तो कभी दोनों जलाशय के बाहर बैठकर काफी बातें करते। दोनों के बीच की दोस्ती दिनों-दिन काफी गहरी होती गई। चूहा और मेंढक अपने मन की बात अक्सर एक दूसरे से साझा करते थे। होते-होते मेंढक के मन में हुआ कि मैं तो अक्सर चूहे के बिल में उससे बातें करने जाता हूं, लेकिन चूहा मेरे जलाशय में कभी नहीं आता। ये सोचते-सोचते चूहे को पानी में लाने की मेंढक को एक तरकीब सूझी। चालाक मेंढक ने चूहे से कहा, 'दोस्त हमारी मित्रता बहुत गहरी हो गई है। अब हमें कुछ ऐसा करना चाहिए, जिससे एक दूसरों की याद आते ही हमें आभास हो जाए।' चूहे ने हामी भरते हुए कहा, 'हां जरूर, लेकिन हम ऐसा करेंगे क्या?' दुष्ट मेंढक फटाक से बोला, 'एक रस्सी से तुम्हारी पूंछ और मेरा एक बार पैर बांध दिया जाए, तो जैसे ही हमें एक दूसरे की याद आएगी तो हम उसे खींच लेंगे, जिससे हमें पता चल जाएगा।' चूहे को मेंढक के छल का जरा भी अंदाजा नहीं था, इसलिए भोला चूहा एकदम इसके लिए राजी हो गया। मेंढक ने जल्दी-जल्दी अपने पैर और चूहे की पूंछ को बांध दिया। इसके बाद मेंढक ने एकदम पानी में छलांग लगा ली। मेंढक खुश था, क्योंकि उसकी तरकीब काम कर गई। वहीं, जमीन पर रहने वाले चूहे की पानी में हालत खराब हो गई। कुछ देर छटपटाने के बाद चूहा मर गया। बाज आसमान में उड़ते हुए यह सब रहा था। उसने जैसे ही पानी में चूहे को तैरते हुए देखा तो बाज तुरंत उसे मुंह में दबाकर उड़ गया। दुष्ट मेंढक भी चूहे से बंधा हुआ था, इसलिए वो भी बाज के चंगुल में फंस गया। मेंढक को पहले तो समझ ही नहीं आया कि हुआ क्या। वो सोचने लगा आखिर वो आसमान में उड़ कैसे रहा है। जैसे ही उसने ऊपर देखा तो बाज को देखकर वो सहम गया। वो भगवान से अपनी जान की भीख मांगने लगा, लेकिन चूहे के साथ-साथ बाज उसे भी खा गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं।

वृषभ

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

मिथुन

व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी।

कर्क

कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

सिंह

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा।

कन्या

किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

तुला

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

वृश्चिक

कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

धनु

आय में मनोनुकूल वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी।

मकर

परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुम्भ

थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। धनहानि हो सकती है।

मीन

जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

घरवालों की मार ने मुझे बना दिया एक्टर : राघव जुयाल

राघव जुयाल की फिल्म किल की इन दिनों हर तरफ चर्चा है। टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल से लौटे राघव बताते हैं कि वहां भी इस फिल्म को खूब सराहना मिली। मुंबई में रहकर भी उत्तराखंड की संस्कृति से जुड़े रहने वाले राघव जुयाल को शोहरत पाने के लिए संघर्ष का लंबा सफर करना पड़ा है और ये इसके बावजूद कि उनकी पहली फिल्म के निर्माता 'शोले' जैसी कालजयी फिल्म बनाने वाले रमेश सिप्पी थे। राघव ने कहा, मैं उत्तराखंड से हूं। मेरा आधा खानदान फौज में है, बाकी आधा दूसरी सरकारी नौकरियों में। घर वाले यही सोच रहे थे कि ये क्या करने जा रहा है। डांस और नाटक करने के जह से घर में मार भी खाई लेकिन उसी मार ने मुझे एक्टर बना दिया। फिल्म लाइन की समझ घरवालों को तब शायद उतनी नहीं थी। लेकिन, अब जब कुछ बन गया हूं तो सबने मुझे स्वीकार कर लिया है। मुंबई में रहकर भी मैं अपने उत्तराखंड की संस्कृति से जुड़ा हुआ हूं। ये संस्कार हर क्षेत्र में काम आते हैं। हम पहाड़ी लोग बहुत ही साधारण तरीके से रहते हैं। और, ये सब बाबा केदारनाथ का आशीर्वाद है। उन्होंने कहा, साल 2012 में मुंबई आया था। मुंबई आने के बाद ऑडिशन देता रहा, एक बार मेरा चयन भी एक प्रोजेक्ट के लिए हुआ, लेकिन यह बोलकर बाहर निकाल दिया कि कुछ नहीं आता। फिर मैं टेरेंस लुईस का डांसिंग स्टूडियो संभालने लगा। उन्होंने मुझे रहने के लिए जगह भी दी लेकिन मैंने कहा कि स्टूडियो में ही रहूंगा। वहां मेरी डांस की प्रैक्टिस भी होती रही। डांस रियलिटी शो में भाग लेने वाले बच्चे वहां डांस सीखने आते थे। मुझे डांस इंडिया डांस 3 के लिए रिजेक्ट कर दिया गया था। लेकिन, यूट्यूब पर मेरा एक वीडियो इतना वायरल हुआ कि शो बनाने वालों को मुझे पब्लिक डिमांड पर वापस लाना पड़ा। फिर सिलसिला शुरू हो गया। कई रियलिटी शो में भाग लिया। कई रियलिटी शोज की मेजबानी की।

राखी सावंत की बायोपिक में जलवा बिखेरेंगी आलिया भट्ट

राखी सावंत आए दिन खबरों की सुर्खियों में बनी रहती हैं। इन दिनों लगातार अपने पति आदिल दुर्रानी पर बयानबाजी कर सुर्खियां बटोर रही हैं। दूसरी तरफ आदिल दुर्रानी भी राखी को जवाब देने से पीछे नहीं हट रहे हैं। इस मामले में पहले शर्लिन चोपड़ा बीच में आई, तो वहीं तनुश्री दत्ता भी दिखाई दीं। इस पूरे ड्रामे के बीच राखी सावंत ने अपनी बायोपिक का एलान कर दिया है। एक्ट्रेस काफी समय पहले ही अपनी बायोपिक आने के बारे में एलान कर चुकी थीं। राखी समय-समय पर कहती रहती थीं कि बॉलीवुड के प्रोड्यूसर्स को उनकी बायोपिक बनानी चाहिए। वहीं, अब राखी अपनी फिल्म से जुड़ी डिटेल लेकर आ गई हैं। इससे साफ है कि राखी सावंत की जिंदगी पर आधारित फिल्म जल्द ही आप और हम सबके सामने होगी।

सभी जानते हैं राखी की जिंदगी भी किसी फिल्म से कम नहीं है और उनकी बायोपिक कहां से शुरू हुई और कैसे खत्म हुई, यह अब जानना बेहद दिलचस्प होगा। मीडिया से बातचीत करते हुए राखी ने बताया कि, उनकी बायोपिक का काम जल्द ही शुरू होगा। अभी तक इस फिल्म में कौन एक्टर होगा और कौन डायरेक्टर इस फिल्म को लेगा। इस बारे में मुझे नहीं पता। अपनी बात को आगे ब?ाते हुए वह कहती हैं, अभी फिल्म के सिलसिले में दो स्टार्स से बात करने की कोशिश हो रही हैं। हम लोग आलिया भट्ट और विद्या बालन से बात कर रहे हैं। आगे उन्होंने कहा मैं तो चाहती थी कि मैं खुद एक्ट करूं, लेकिन मेरी बायोपिक में आलिया या विद्या बालन बहुत अच्छा एक्ट करेंगी। ये दोनों ही बॉलीवुड की बेस्ट एक्ट्रेसेस हैं। बता दें कि अगर राखी सावंत की बायोपिक आती भी है तो इसमें उनकी लाइफ के स्ट्रगल को दिखाया जाएगा। अपनी बायोपिक के लिए आलिया और विद्या बालन के होने का दावा करने वाला राखी सावंत का यह वीडियो सभी का ध्यान खींच रहा है।

सौभाग्यवती भव 2 में मुख्य भूमिका निभाएंगी अमनदीप

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

स्टार भारत ने अपने बहुप्रतीक्षित शो, सौभाग्यवती भव सीज़न 2 की घोषणा की, जिसमें करणवीर बोहरा, अमनदीप सिद्धू और धीरज धूपर मुख्य कलाकार हैं। एक बार फिर से रोमांचक यात्रा पर निकल पड़ें क्योंकि स्टार भारत दूसरी बार सौभाग्यवती भव लेकर आ रहा है। यह शो बॉम्बे शो स्टूडियो एलएलपी द्वारा निर्मित है और अपने मनोरंजक और दिलचस्प कथानक के साथ दर्शकों को उनकी सीटों से बांधे रखने का वादा करता है।

हाल ही में, निर्माताओं ने सौभाग्यवती भव 2 के लिए एक दिलचस्प और रोमांचक प्रोमो जारी किया। दर्शकों को धीरज धूपर, अमनदीप सिद्धू और करणवीर बोहरा का लुक देखने को मिला। प्रोमो में धीरज की प्रेम कहानी दिखाई गई है जिसे अंततः एक संस्कारी और सरल लड़की से प्यार हो जाता है, लेकिन उनकी प्रेम कहानी कुछ नियम और शर्तों के साथ आई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि राघव और सिया विराज द्वारा बनाई गई स्थिति से कैसे निपटते हैं। अमनदीप सिद्धू, जो मुख्य महिला भूमिका निभाएंगी, अपने चरित्र के बारे में एक अंतर्दृष्टि साझा करती हैं। वह साझा करती हैं, मैं सिया का किरदार निभाती हूं। सिया परिवार केंद्रित है और पड़ोस की लड़की है जो अपने परिवार और पति को अपनी प्राथमिकताओं में रखती है। सिया सादगी से भरी है और उसका दिल संवेदनशील है। सिया बहुत अलग है जो किरदार मैंने अपने पिछले शो में निभाए हैं। दर्शकों को सौभाग्यवती भव 2 में एक बिल्कुल नया अमनदीप देखने को मिलेगा, और यही मेरे लिए शो और सिया के लिए हां कहने का मुख्य कारण था।

अजब-गजब | नामीबिया के हिम्बा जनजाति के हैं अनोखे नियम

ये जनजाति पानी से नहाने की जगह करती है स्मोक बाथिंग

दुनिया ने आज काफी तरक्की कर ली है। हर तरह आपको ऊंची इमारतें नजर आ जाएंगी। लेकिन इस तरक्की के पीछे कई और चेहरे भी छिपे हुए हैं। कई ऐसे ट्राइब्स हैं जो आज भी उसी तरह रह रहे हैं, जैसे स्टोन ऐज में इंसान रहता था। इन ट्राइब्स के नियम-कानून आज भी पुराने ही हैं। इनकी आदतों को देखकर कई लोग इन्हें जानवरों जैसा बता देते हैं। लेकिन असलियत ये है कि ये ट्राइब्स अपनी परम्पराओं को बचा कर रख रहे हैं। आज हम एक खास ट्राइब के बारे में बात करने जा रहे हैं, जो आज भी सदियों पुराने अपने नियमों को मानते हैं।

हम बात कर रहे हैं हिम्बा ट्राइब की। आज के समय में इस ट्राइब के 50 हजार लोग मौजूद हैं। लेकिन इस ट्राइब में आज भी कुछ ऐसे नियम हैं, जिन्हें जानने के बाद आप हैरान हो जाएंगे। इस ट्राइब में नहाने की सख्त मनाही है। नामीबिया में रहने वाले इस ट्राइब में पचास हजार से ज्यादा लोग हैं। लेकिन इनकी आदतें आज भी वही है जो सदियों पहले थी। दुनिया की तरक्की का इनपर कोई असर नहीं पड़ा है। इस ट्राइब में बाहर से आने वाले मेहमानों को खाने के साथ-साथ घर की महिलाएं परोसी जाती हैं।

हिम्बा ट्राइब के लोगों के अपने नियम-कानून हैं। ये ट्राइब बाकी चीजों में नॉर्मल लगता है। जैसे

इस ट्राइब के लोग अपना पूरा दिन खाने की तलाश में बिताते हैं। अपने साथियों के घर को बनाने में मदद करते हैं। साथ ही इनका समय खेती में भी बीतता है। लेकिन कुछ ऐसे नियम हैं जो इन्हें अजीब बना देते हैं। इस ट्राइब में नहाने की मनाही है। जी हां, पानी से नहाने की जगह ये लोग धुंए से नहाते हैं। इसे स्मोक बाथिंग कहते हैं।

इसके अलावा इस ट्राइब की एक अजीब प्रथा है। जिस तरह हमारे घर आए मेहमानों को चाय-नाश्ता और खाना ऑफर किया जाता है, उसी तरह इस ट्राइब के लोग अपने घर आए मेहमानों को अपने घर की महिलाएं परोसते हैं। इसके लिए इनके घर में एक अलग कमरा बना होता है। खुद महिला का पति इस काम के लिए बीवी को भेजता है। ऐसा अपने रिश्ते में जलन की भावना को खत्म करने के लिए किया जाता है। ये लोग ज्यादातर खेती और पशु पालन करते हैं। ट्राइब में महिलाओं की नहीं चलती और सारे फैसले घर के मर्द ही लेते हैं।

एमपी के भिंड का अनोखा मंदिर, जहां हनुमान जी डॉक्टर बनकर करते हैं मरीजों का इलाज

एमपी के भिंड जिले में डॉक्टर हनुमान जी का मंदिर है। जहां मान्यता है कि हनुमान जी खुद डॉक्टर बनकर मरीजों का इलाज करते हैं। अस्पताल रूपी मंदिर में सभी बीमारी का इलाज यहाँ डॉक्टर हनुमान जी के द्वारा किया जाता है।कई राज्यों के भक्त यहां अपनी अर्जी लेकर आते हैं। खास बात यह है कि डॉक्टर हनुमान मंदिर पर आज बुढ़वा मंगल पर लाखों की संख्या में लोग दर्शन करने पहुंच रहे हैं। ऐसे में प्रशासन ने पूरी तैयारी करना शुरू की है।

भिंड का प्राचीन बड़े हनुमान मंदिर शहरवासियों की आस्था और श्रद्धा का केंद्र है। यहां हर शनिवार और मंगलवार को बढ़ी तादाद में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं। इस मंदिर में मनोकामनाएं पूरी करने के लिए काफी ज्यादा लोगों की भीड़ भी होती है। मंदिर में हनुमानजी की बड़ी प्रतिमा होने से इस मंदिर को बड़े हनुमानजी मंदिर कहा जाता है। मन्दिर के महंत रामदास बताते है कि यहां हनुमान जी डॉक्टर के रूप में पूजे जाते हैं। हनुमान स्वयं अपने एक भक्त का इलाज करने डॉक्टर बनकर पहुंचते है,जिसमे पीड़ित मरीज को इलाज कर ठीक कर देते है। इसलिए इन्हें डॉक्टर हनुमान के नाम से जाना जाता है, इस मंदिर से लाखों लोगों की आस्था जुड़ी हुई है।

जिले के प्रसिद्ध दंदरौआ धाम मंदिर पर कई तरह के रोगों से पीड़ित मरीज भी डॉक्टर हनुमान के क्लीनिक पर अपनी पीड़ा लेकर पहुंचते हैं। ऐसे में माना जाता है डॉक्टर हनुमान के पास पांच मंगलवार लगातार फेरी लगाने से यहां पर कैंसर टीवी जैसे बड़ी से बड़ी छोटी-छोटी बीमारी ठीक हो जाती है। इस मंदिर पर दर्शन करने के लिए आप भिण्ड जिले से मेहगांव होते हुए दंदरौआ धाम पहुचेंगे, जहाँ आप डॉक्टर हनुमान के दर्शन कर सकते है।

18 साल के कुशासन का हिसाब तो जनता लेकर रहेगी : कमलनाथ

» बोले- एमपी में हार स्वीकार कर चुकी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश भाजपा की दूसरी प्रत्याशियों की सूची पर कांग्रेस हमलावर है। कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भाजपा केवल एक बात ध्यान रखें। ये जनता है, ये सब जानती है। 18 साल के कुशासन का हिसाब तो जनता लेकर रहेगी और न्याय होकर होगा। एमपी की जनता है तैयार, भाजपा पर होगा पलटवार।

सोमवार देर रात सूची जारी होने के बाद पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा कि एमपी में हार स्वीकार कर चुकी भाजपा ने उम्मीद का आखरी झूठा दांव आज खेला है। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 18.5 साल की भाजपाई सरकार और 15 साल से ज्यादा के शिवराज जी विकास के दावों को नकारने वाली भाजपाई प्रत्याशियों की सूची करोड़ों कार्यकर्ताओं की पार्टी का दावा करने वाली भाजपा की आंतरिक हार पर पक्की मुहर है। एमपी में विकास के खोखले दावों की पोल खुलने के साथ बड़बोली भाजपाई सरकार के प्रचारवादी विकास के थोथे दावे आज सफेद झूठ साबित हो गए।

मोदी ने शिवराज के नाम और काम से कन्नी काटी : सुरजेवाला

मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने प्रधानमंत्री के भोपाल दौरे पर निशाना साथ हुए बीजेपी के कार्यकर्ता महाकुंभ को पूरी तरह से एक फ्लॉप शो करारा दिया है। सुरजेवाला ने कहा कि करोड़ों रुपया पानी की तरह बहाकर मध्यप्रदेश में आयोजित किया गया बीजेपी का 'कार्यकर्ता महाकुंभ' आज हारी हुई शिवराज सरकार की तरह ही 'फ्लाप-शो' साबित हुआ। 10 लाख कार्यकर्ता जुटाने की डींगें भर हजारों बसें और वाहन लगाने के बावजूद भी पूरे प्रदेश से 50,000 लोग भी जमा नहीं हो पाए। इसके साथ उन्होंने कहा कि पीएम के भाषण में आईं कई बातें चौंकाने वाली थीं। प्रधानमंत्री ने शिवराज सरकार के नाम और काम दोनों से कन्नी काट ली।

प्रदेश में आदिवासी सीएम बनना चाहिए : तन्खा

मध्यप्रदेश कांग्रेस की ओर से निकाली जा रही जन आक्रोश यात्रा गंधवानी विधानसभा पहुंची, जहां भारी जन सैलाब के बीच जन आक्रोश यात्रा प्रभारी कांतिलाल भूरिया, गंधवानी से विधायक उमंग सिंघार सहित राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान फिर से आदिवासी मुख्यमंत्री की चर्चाएं सुर्खियों में आ गई। ऐसे में उमंग सिंघार ने अपने चिर परिचित अंदाज में आदिवासियों के हितों की बात करते हुए उनकी आर्थिक परिस्थितियों का जिक्रकरते हुए उन पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जाने की बात कही। साथ ही बोले कि मुझे कहा गया था कि 50 करोड़ रुपए ले लो मैंने आपसे नहीं पूछा पर मैंने जाना उचित नहीं समझा, क्योंकि आप मुझ पर विश्वास रखते हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने कहा कि अभी जरूर कमलनाथ जी आएंगे मगर कमलनाथ जी के बाद या तो पिछड़े वर्ग का या आदिवासी मुख्यमंत्री बने।

बीजेपी की सूची ने लगाया शिवराज और महाराज के राजनीतिक कैरियर पर पूर्णविराम : बबेले

पीसीसी चीफ के मीडिया सलाहकार पीयूष बबेले ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भारतीय जनता पार्टी की आज की प्रत्याशी की सूची ने शिवराज और महाराज दोनों के राजनीतिक कैरियर पर पूर्णविराम लगा दिया है। वहीं, वीडी शर्मा और नरोत्तम मिश्रा के लिए राजनैतिक वनवास का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। वहीं, कांग्रेस की तरफ से जारी बयान में कहा कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के पतन की खबरें अब आम हो चली है। सभी सर्वे और सभी सियासी समीकरण अभी तक बीजेपी की हार की भविष्यवाणी तो कर रहे थे लेकिन सबके मन में एक संशय जरूर था कि शायद भाजपा अंतिम क्षणों में कोई करिश्मा कर जाय, लेकिन भाजपा के प्रत्याशियों की दूसरी सूची ने यह बता दिया कि मध्यप्रदेश में भाजपा अब अंत की ओर अग्रसर है।

जनता के लिए हम जेल जाने को तैयार : गहलोत

» मुख्यमंत्री पद को लेकर कही ये बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जोधपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अपने बयानों को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। जोधपुर में दिए गए उनके दो बयान एक बार फिर सुर्खियां बटोर रहें हैं। संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी घोटाले को लेकर गहलोत ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर, गरीबों को न्याय मिलता है तो हम जेल जाने के लिए तैयार हैं। मैं ये सब इसलिए कह रहा हूं ताकि गरीबों को न्याय मिल सके। हमने इसके लिए कोई कैंपेन नहीं चलाया है।

केंद्र सरकार को भी हमारी मदद करनी चाहिए। दरअसल, सीएम अशोक गहलोत को जोधपुर दौरे थे। एयरपोर्ट से बाहर निकलते हुए उन्होंने मीडिया से बात कर एक बार फिर संजीवनी घोटाले का मुद्दा उठाते हुए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और भाजपा पर हमला बोला था। गहलोत ने कहा कि राजस्थान में संजीवनी घोटाला हुआ है। इन लोगों (भाजपा) की जिम्मेदारी है कि ये गरीबों को हक दिलाएं। अब इनसे क्या गलती हुई है तो ये लोग लोग जाने और एसओजी जाने। मैं पहले इस पर बोलता नहीं था, लेकिन घोटाले के पीड़ित लोग मुझे तीन बार मिलने आए, उनका दर्द मुझसे नहीं देखा गया। इसके बाद मैंने जानकारी जुटाकर इस मुद्दे पर बोलना शुरू किया ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके।

इलेक्टोरल बॉन्ड सिर्फ भाजपा की झोली में जा रहा

सीएम गहलोत ने इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर भी भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर, कोई भाजपा के अलावा किसी और पार्टी को पैसा देता है तो ईडी, इनकम टैक्स का डर रहता है। वे गैर कानूनी काम कर रहे हैं। एक तरफा बॉन्ड भाजपा के पास जा रहे हैं। ईडी, इनकम टैक्स के डर के कारण किसी दूसरी पार्टी को पैसा नहीं मिल रहा है।

बीजेपी विधायक के घर आत्महत्या का मामला

प्रेमिका से वीडियो कॉल करते हुए योगेश ने लगाया फंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा विधायक योगेश शुक्ला के सरकारी फ्लैट में उनके सोशल मीडिया टीम लीडर श्रेष्ठ तिवारी (24) के खुदकुशी करने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। आत्महत्या से पहले उसने प्रेमिका से वीडियो कॉल पर बात की थी। इस दौरान विवाद होने पर उसने वीडियो कॉल पर ही गले में फंदा डालकर कहा था कि खुदकुशी करने जा रहा है। यह देख प्रेमिका फ्लैट पर पहुंची, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। श्रेष्ठ के भाई ने उसकी प्रेमिका के खिलाफ तहरीर दी है।

बीकेटी से भाजपा विधायक योगेश शुक्ला का हजरतगंज स्थित विधायक निवास में 804 नंबर सरकारी फ्लैट है। मूलरूप से बाराबंकी हैदरगढ़ निवासी (वर्तमान में चिनहट) श्रेष्ठ शुक्ला उनके सोशल मीडिया का पूरा काम देखता था। वह ज्यादातर विधायक के सरकारी फ्लैट में ही रहता था। रविवार रात को वह फ्लैट पर अकेला था। इसी दौरान उसने फांसी लगा ली थी। देर रात पुलिस, परिजन और विधायक समेत अन्य लोग घटनास्थल पहुंचे। पुलिस ने सोमवार को पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजन को सौंप दिया। श्रेष्ठ के भाई सौरभ तिवारी ने उसकी प्रेमिका के खिलाफ तहरीर दी है। डीसीपी सेंट्रल अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि आरोपों की जांच की जा रही है।

ट्रक और ट्रेलर की भीषण भिड़ंत, तीन की मौत

» अमेठी में हुआ दर्दनाक हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। अमेठी के जगदीशपुर में देर रात ट्रक और ट्रेलर की आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। हादसे में दोनों गाड़ियों के चालक समेत एक खलासी की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों शवों को कड़ी मशक्कत बाद गाड़ी से निकाला। दो मृतक सुल्तानपुर जिले के हैं।

एक की पहचान नहीं हो पाई है। अयोध्या से मोरंग लाने के लिए बांदा जा रहा ट्रक रायबरेली हाइवे पर जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र के अयोध्या मार्ग स्थित थौरी गांव के पास सामने से आ रहे ट्रेलर से भिड़ गया। रात करीब दो बजे हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर से कोहराम मच गया। दोनों गाड़ियों के चालक व खलासी उसमें फंस गए। आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। पुलिस को जानकारी दी गई।

नीतीश कुमार की बताई जमीन पर बनेगा दरभंगा एम्स : सांसद गोपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दरभंगा। बिहार में पटना के बाद अब दूसरे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का रास्ता लगता है साफ हो गया है। केंद्र सरकार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बात मान गई है। एम्स वहीं बनेगा, जहां बिहार सरकार ने जमीन देकर मिट्टी भराई का काम शुरू करा दिया था।

मिट्टी भराई का काम शुरू कराने के बाद केंद्र की टीम ने इस जमीन को डुबाऊ बताते हुए दूसरी जमीन खोजने के लिए कहा था। जिसपर पूरे मिथिलांचल में राजनीति तेज हो गई थी। अब भाजपा सांसद गोपालजी ठाकुर ने कहा कि बिहार सरकार सिर्फ एक काम करा दे और गारंटी दे कि वह अच्छा से किया है तो एम्स का निर्माण वहां कराने को केंद्र सरकार राजी है।

बिहार सरकार जमीन को समतल करवा कर दे

भाजपा सांसद गोपाल जी ठाकुर ने कहा है कि बिहार सरकार ने जो जमीन दी है सही तरीके से समतल करवा कर केंद्र सरकार को दे। हमारी सरकार उसी शोभन की बाइपास वाली जमीन पर एम्स का निर्माण आरम्भ करवाएगी। बता दें कि पूर्व से सांसद ने घोषणा कर रखी है को वह गांधी जयंती के मौके पर एम्स निर्माण स्थल शोभन बाइपास वाली जमीन पर भाजपा के द्वारा धरना दिया जाएगा। इसबीच सांसद के इस बयान ने एक नई राजनीति की शुरुआत कर दी है। सांसद गोपाल जी ठाकुर ने कहा कि बिहार सरकार के द्वारा दिए गए शोभन बाइपास के जमीन पर भारत सरकार तैयार दरभंगा एम्स के निर्माण के लिए तैयार हो गई है।

सेलिंग में नेहा ठाकुर ने दिलाई चांदी

» एशियन गेम्स- भारत की झोली में आया 12वां मेडल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीजिंग। भारत की नेहा ठाकुर ने महिला डिंगी नौकायन स्पर्धा में सिल्वर मेडल पर अपना कब्जा जमाकर एशियन गेम्स के तीसरे दिन पहला और ओवरऑल 12 वां मेडल दिलायां। भारतीय दल ने दूसरा दिन खत्म होने तक 2 गोल्ड मेडल सहित 11 मेडल अपने नाम किए थे।

बता दें कि, नेहा ने 11 दौड़ के बाद सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। नौकायन में भारत के लिए ये पहला पदक है। नेहा ठाकुर ने सिल्वर मेडल जीतने पर टीम इंडिया (भारतीय

ओलंपिक संघ, राष्ट्रमंडल खेल भारत) ने भी अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर बधाई दी है। नेहा ने महिलाओं की डिंगी स्पर्धा में 11 रेसों में कुल 27 अंकों के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। थाईलैंड की नोपासोर्न खुनबूनजान ने 16 अंकों के साथ गोल्ड मेडल जीता जबकि सिंगापुर की केइरा मैरी कार्लाइल ने 28 अंकों के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है।एशियन गेम्स भारत के लिए दूसरा दिन बेहद शानदार रहा। फिलहाल, अभी तक देश ने 2 गोल्ड, 3 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 11 मेडल अपने नाम किए हैं। इसके साथ ही भारत टेबल टेली में छठे नंबर पर हैं।

निशानेबाजों ने दिलाया पहला सोना, क्रिकेट में भी गोल्ड

दूसरे दिन भारत ने पहले निशानेबाजी में पहला गोल्ड हासिल किया। इसके बाद रोइंग की 4 सदस्यीय टीम ने भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। फिलहाल दूसरा दिन भारत के लिए काफी अच्छा रहा। दूसरे दिन भारत को 11 मेडल मिल चुके हैं। जिसमें दो गोल्ड मेडल भी शामिल हैं। जहां 10 मीटर एयर राइफल टीम में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल और दिव्यांश ने भारत को पहला गोल्ड दिलाया। फिर दूसरा मेडल रोइंग की मेन्स फोर टीम की तरफ से भीम, पुनीत जसविंदर और आशीष ने ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। भारत की झोली में तीसरा मेडल भी ब्रॉन्ज रहा। जो रोइंग की मेंस क्वाडरपल्स टीम ने दिलाया। इसके साथ ही चौथा मेडल ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने व्यक्तिगत स्पर्धा के रूप में भारत को 10 मीटर एयर रायफल में ब्रॉन्ज दिलाया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने चीन में इतिहास रचते हुए गोल्ड मेडल जीता। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम ने श्रीलंकाई टीम को 19 रनों से शिकस्त देकर ये उपलब्धि अपने नाम की।

हाईवे पर दरिंदगी

फिर उजागर हुआ यूपी पुलिस का दागदार चेहरा

कार में शराब पीकर किया गैंगरेप

» कुशीनगर की है वारदात, प्रयागराज में पुलिस पर ही दुष्कर्म का आरोप

4पीएम न्यूज नेटवर्क

कुशीनगर। एक तरफ यूपी के मुख्यमंत्री योगी प्रदेश के थानों में महिला थानेदार बिठाने की योजना बना रह है दूसरी तरफ चलती कार में युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना व पुलिस कर्मियों पर गैंगरेप के आरोप लग रहे हैं। ऐसी धिनौनी हरकतें यूपी की कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा रहे हैं। कुशीनगर के पडरौना में हाईवे पर चलती कार में सामूहिक दुष्कर्म की शिकार हुई किशोरी थाने में दरिंदों की दरिंदगी बताकर रो पड़ी और मां से लिपट गई। वहीं प्रयागराज के सराय समरेज में चौकी इंचार्ज समेत चार पुलिसकर्मियों पर दुष्कर्म, छेड़खानी, धमकी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

कुशीनगर में किशोरी की मां ने बताया कि घटना के बाद घर पहुंची युवती सहमी हुई थी और रात को सो नहीं रही थी, तो निजी डॉक्टर से इलाज कराना पड़ा। इसके बाद तबीयत में सुधार हुआ। थाने में मौजूद किशोरी ने बातचीत के दौरान बताया कि वह घर में मैं अकेली थी। दोपहर में गांव का क्यामुद्दीन आया और यज्ञशाला की तरफ लेकर चला गया। वहां रात को बगीचे में रखा और गलत काम किया। इसके बुलाने पर तीन युवक कार लेकर पहुंचे और उसे जबरन लेकर गोरखपुर-हाटा हाईवे पर चले गए। कार में शराब और सिगरेट पी। इसके बाद जहांगीर अपने मोबाइल में अश्लील वीडियो मुझे जबरन दिखा रहा था। विरोध करने पर मार रहा था। इसके बाद चारों युवक सामूहिक दुष्कर्म किए।

इंस्पेक्टर ने अपशब्द बोलकर भगाया, साथ में बैठा था आरोपी

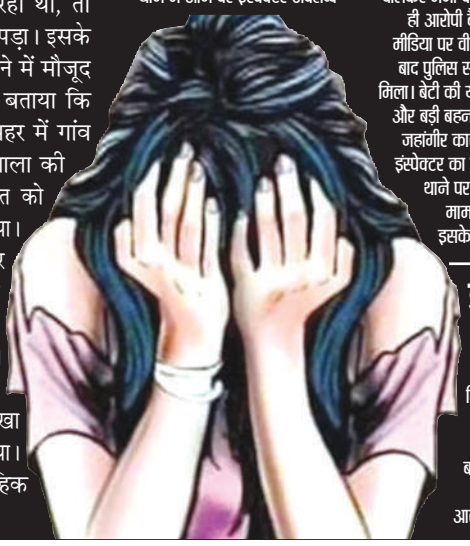

थाने में आने पर इंस्पेक्टर अपशब्द बोलकर भगा देते थे और उनके पास ही आरोपी बैठा रहता था। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस सक्रिय हुई और न्याय मिला। बेटी की यह बात सुनकर पिता और बड़ी बहन की आंखें भर आईं। जहांगीर कार्रवाई की जद में आए इंस्पेक्टर का चेहरा था। चर्चा है कि थाने पर आने वाले अधिकांश मामलों में पुलिस से वार्ता इसके माध्यम से होती थी।

इंस्पेक्टर का प्राइवेट वाहन लेकर बाजार और अपने गांव में घूमता रहता था। आरोपी जहांगीर की पुलिस से नजदीकी गांव में एक जमीन पर कब्जा करने के दौरान बढ़ी। इसके बाद उसका अधिकांश समय थाने में कटता था। अगर थाने में लगे सीसीटीवी फुटेज और इंस्पेक्टर के मोबाइल का कॉल डिटेल निकाल दिया जाए तो गैंगरेप के आरोपी और पुलिस की नजदीकियों का राज खुल जाएगा।

इंस्पेक्टर ने दी थी भ्रामक जानकारी

निलंबित हुए कप्तानगंज के इंस्पेक्टर विनय कुमार सिंह ने एसपी को भी भ्रामक जानकारी दी थी। पीड़ित परिवार एसपी से मिलकर शिकायत किया था और इंस्पेक्टर की भूमिका को संदिग्ध बताया था, लेकिन जोड़तोड़ में माहिर इंस्पेक्टर ने अपने अफसर को भी गलत जानकारी देकर कुर्सी बचा ली थी, लेकिन 14 दिन बाद वीडियो वायरल होने पर सच्चाई सामने आई और इंस्पेक्टर को कुर्सी गंवानी पड़ी। कार्रवाई के जद में आए दरोगा और गैंगरेप के आरोपी जहांगीर का भी सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है।

राजस्थान के मंत्री राजेंद्र यादव के घर ईडी का छापा

» आईटी विभाग भी कर रहा दस्तावेजों की जांच

4पीएम न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान सरकार में गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। उनके ठिकानों पर ईडी और आईटी का एक्शन जारी है। कोटपूतली में उनके घर और ऑफिस में ईडी की टीम मौजूद है। जानकारी के मुताबिक मंत्री राजेंद्र यादव से जुड़ी कंपनियों पर ईडी की तलाशी जारी है।

घर और ऑफिस दोनों जगहों पर दस्तावेजों ती तलाश की जा रही है, मंत्री राजेंद्र यादव के घर के बाहर गाड़ियों का जमावड़ा लगा हुआ है. घर के भीतर पुलिस की टीम मौजूद है और बाहर से किसी को भी अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है, हालांकि अब तक मामले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। राजेंद्र यादव गहलोत सरकार में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री हैं।

कांग्रेस विधायक के बयान पर कर्नाटक में मचा बवाल

» बीआर पाटिल बोले- बीजेपी राम मंदिर में धमाका कर मुस्लिमों पर लगा देगी आरोप

4पीएम न्यूज नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के कांग्रेस विधायक बीआर पाटिल ने बीजेपी की आलोचना करते हुए कुछ ऐसा कह दिया है, जिस पर बवाल मच गया है। उन्होंने कहा कि इस बात की पूरी संभावना है कि बीजेपी राम मंदिर में धमाका करवा दे और फिर इसका आरोप मुस्लिम समुदाय पर लगा दे। बीजेपी आने वाले लोकसभा चुनाव में हिंदू वोटों को हासिल करने की खातिर ऐसा कर सकती है, उनके इस बयान पर कर्नाटक की राजनीति गरमा सकती है।

कर्नाटक बीजेपी के जरिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया गया है, इस वीडियो में कांग्रेस नेता को कहते हुए सुना जा सकता है, इस बात की संभावना है कि मोदी को अपना अगला लोकसभा चुनाव जीतवाने के लिए बीजेपी राम मंदिर पर बमबारी करेगी, फिर इसका दोष मुसलमानों पर मढ़ा जाएगा और हिंदुओं को एकजुट किया जाएगा। हालांकि, ये भी साफ नहीं है कि पाटिल ने सच में ऐसा कहा है या नहीं।

कांग्रेस हिंदू-मुस्लिम में तनाव पैदा करना चाहती है : भाजपा

बीजेपी ने विधायक बीआर पाटिल के इस बयान पर कांग्रेस को निशाने पर लिया है। बीजेपी ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस हिंदू-मुस्लिम तनाव पैदा करने की कोशिश कर रही है। बीजेपी ने एक्स पर लिखा, हिंदुत्व की बुनियाद पर सवाल उठाने निकले कांग्रेसियों की नजर अब राम मंदिर पर पड़ चुकी है, राम मंदिर को अस्थिर करने और हिंदू-मुस्लिम के बीच तनाव को बढ़ाने की कोशिश करके कांग्रेस ने पहले ही सरकार को दोषी ठहराने की जमीन तैयार कर ली है, भले ही ये बात मंत्री बीआर पाटिल ने गलती से ही क्यों ना कही हो।

कड़ी मेहनत से सफल हो रहे हैं युवा : मोदी

51 हजार युवाओं को बांटे अपॉइंटमेंट लेटर

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 51 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी के लिए अपॉइंटमेंट लेटर बांटे हैं, इन युवाओं को सरकारी नौकरी अलग-अलग विभाग में दी गई है। नई दिल्ली के रायसीना रोड स्थित नेशनल मीडिया सेंटर में कार्यक्रम को आयोजित किया गया, जिसमें पीएम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े थे।

मंगलवार को आयोजित हुए रोजगार मेला के तहत देश के कई क्षेत्रों के युवाओं को 51 हजार ज्वाइनिंग लेटर दिए गए, रोजगार मेला 46 स्थानों पर आयोजित किया गया था, केंद्र सरकार के भर्तियों के अलावा, राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए भी भर्तियां की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि युवाओं ने कड़ी मेहनत से ये सफलता हासिल की है और इस सफलता का बहुत बड़ा महत्व है, इस बार नवनियुक्तों में महिलाएं भी ज्यादा संख्या में है।

फोटो:4 पीएम

धरना 69000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर मंत्री संदीप सिंह के घर का घेराव किया।

दयालबाग क्षेत्र का मामला सीएम योगी तक पहुंचा

अभी तक नहीं दर्ज हुई रिपोर्ट

4पीएम न्यूज नेटवर्क

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में राधास्वामी सत्संग सभा और पुलिस के बीच बढ़ा तनाव बरकरार है। हालांकि, इलाके में पिछले दो दिनों में शांति रही है। दयालबाग क्षेत्र में सोमवार को तनाव भरी शांति रही।

रविवार को कब्जे हटाने के दौरान पथराव और उपद्रव का मामला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंच गया। सत्संगियों ने घायलों के वीडियो और फोटो सीएम को व्हाट्सएप पर भेजे हैं। सोमवार को दयालबाग क्षेत्र के बाजार खुले रहे और शैक्षणिक गतिविधियां भी सामान्य रहीं, हालांकि क्षेत्र में डीपीएस सहित बच्चों के स्कूल एहतियातन बंद रहे।

मणिपुर में छात्रों के शव की तस्वीरें वायरल

» जुलाई के महीने में लापता हुए थे दो छात्र

4पीएम न्यूज नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में इंटरनेट की बहाली के बाद सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को लेकर राज्य सरकार पर फिर विपक्ष हमलावर हो गई है। राज्य सरकार के संज्ञान में आया है कि दो छात्रों फिजाम हेमजीत, और हिजाम लिनथोइनगांबी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। 6 जुलाई से लापता बताए जा रहे दो मणिपुरी छात्रों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। तस्वीरें उनके मारे जाने से पहले और बाद की प्रतीत होती हैं।

तस्वीरों में से एक में दो छात्रों को घास वाले परिसर में बैठे दिखाया गया है, जबकि उनके पीछे दो हथियारबंद लोगों को देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक अन्य तस्वीर में दोनों छात्रों के शव देखे जा सकते हैं। छात्रों की पहचान 17 वर्षीय हिजाम लिनथोइनगांबी और 20 वर्षीय फिजाम हेमजीत के रूप में की गई। तस्वीरें ऑनलाइन सामने आने के बाद, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने लोगों को आश्वासन दिया कि छात्रों के अपहरण और हत्या में शामिल सभी लोगों के खिलाफ त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार के संज्ञान में आया है कि दो छात्रों फिजाम हेमजीत, और हिजाम लिनथोइनगांबी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। मामला पहले ही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया गया है। राज्य पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के सहयोग से उनके लापता होने के आसपास की परिस्थितियों का पता लगाने और दो छात्रों की हत्या करने वाले अपराधियों की पहचान करने के लिए मामले की सक्रिय रूप से जांच कर रही है। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने अपराधियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान भी शुरू कर दिया है।

सरकार के संज्ञान में आईं तस्वीरें

सीबीआई के साथ मिलकर हो रही जांच : सीएम ऑफिस

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मामले की जांच पहले ही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई है। दोनों छात्रों की पहचान 17 साल के हिजाम लिनथोइनगांबी और 20 साल के फिजाम हेमजीत के रूप में की गई है। जारी एक बयान में कहा गया, राज्य सरकार के संज्ञान में आया है कि जुलाई, 2023 से लापता दो छात्रों, फिजाम हेमजीत (20 वर्ष) और हिजाम लिनथोइनगांबी (17 वर्ष) की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। पता हो कि राज्य के लोगों की इच्छा के अनुसार यह मामला पहले ही सीबीआई को सौंप दिया गया है। बयान में आगे कहा गया, मणिपुर पुलिस केंद्रीय जांच एजेंसियों के सहयोग से दोनों छात्रों के लापता होने की परिस्थितियों का पता लगाने और हत्या करने वाले अपराधियों की पहचान करने के लिए सक्रिय रूप से चांच कर रही है. साथ ही सुरक्षाबलों ने अपराधियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान भी शुरू कर दिया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।